राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 28 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–303 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली-नोएडा का सफर होगा नॉन स्टॉप, चिल्ला एलिवेटेड रोड का काम मार्च में शुरू होने की उम्मीद

नोएडा। दिल्ली-नोएडा को जोड़ने वाले चिल्ला एलिवेटेड रोड को लेकर 29 नवंबर को प्री-बिड मीटिंग होगी। सेतु निगम ने यह मीटिंग बुलाई है। एलिवेटेड रोड का निर्माण करने के लिए कंपनियों से 12 दिसंबर तक आवेदन मांगे गए हैं। इस परियोजना का काम मार्च में शुरू होने की उम्मीद है। जाम खत्म करने के लिए दिल्ली के चिल्ला रेगुलेटर से नोएडा के महामाया फ्लाईओवर तक यह एलिवेटेड रोड बनना है। चिल्ला रेगुलेटर से एलिवेटेड रोड को मयूर विहार फ्लाईओवर से जोड़ा जाएगा। इसका निर्माण सेतु निगम को करना है। इस महीने सेतु निगम ने एलिवेटेड रोड का निर्माण शुरू कराने के लिए टेंडर जारी किया था। इस बीच 29 नवंबर को प्री बिड मीटिंग बुलाई गई है। इस दौरान जो कंपनियां टेंडर प्रक्रिया में आना चाहती हैं, वे इस परियोजना से जुड़ी कोई भी जानकारी ले सकती हैं या सुझाव दे सकती हैं। अधिकारियों का कहना है कि अगर पहली ही इस टेंडर प्रक्रिया में कंपनी का चयन हो जाता है तो मार्च-अप्रैल 2024 तक एलिवेटेड रोड का काम शुरू हो सकता है। वर्ष 2020 में इस एलिवेटेड रोड का काम शुरू हुआ था, लेकिन लागत विवाद के कारण 2021 में काम बंद हो गया। काम का जिम्मा मिलने पर सेतु निगम ने नाममात्र काम किया। बाद में लागत बढ़ने से काम बंद हो गया। करीब दो साल से काम पूरी तरह बंद पड़ा है। करीब चार महीने पहले लागत को लेकर चल रहा विवाद खत्म हुआ। इसके बाद नोएडा प्राधिकरण ने सेतु निगम को टेंडर जारी करने के निर्देश दिए। परियोजना की निगरानी का जिम्मा नोएडा प्राधिकरण के पास होगी। फिल्म सिटी रास्ते पर जाम की समस्या खत्म करने के लिए करीब 10 साल पहले चिल्ला एलिवेटेड रोड बनाने की योजना तैयार की गई थी। छह-सात साल तक यह योजना फाइलों में ही घूमती रही। वर्ष 2018 में इस परियोजना को मंजूरी दी गई और 25 जनवरी 2019 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका शिलान्यास भी कर दिया। इसका काम का जिम्मा लोक निर्माण विभाग के जरिए उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम को सौंपा गया। दावा किया गया कि सितंबर 2021 तक महामाया से सेक्टर-18 और दिसंबर 2021 तक पूरा एलिवेटेड रोड बनकर तैयार हो जाना चाहिए था।

भगवान वेंकटेश्वर की विशेष पूजा में शामिल हुए पीएम मोदी

140 करोड़ भारतीयों के लिए प्रार्थना की-मोदी

तिरुपति। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तेलंगाना के तिरुमाला मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। वे यहां भगवान वेंकटेश्वर की विशेष पूजा में शामिल हुए। PM ने तिरुपति मंदिर की अपनी तस्वीरें पोस्ट करके लिखा- तिरुमाला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में 140 करोड़ भारतीयों के अच्छे स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

पीएम 3 दिन के तेलंगाना दौरे पर हैं। इस बीच कल (26 नवंबर) रात वे तिरुपति पहुंचे। पीएम की यात्रा के मद्देनजर तिरुपति देवस्थानम ने घोषणा की है कि 27 नवंबर को VIP दर्शन रद्द रहेगा।

तिरुमाला से निकलने के बाद पीएम मोदी दोपहर 12:45 बजे महबूबाबाद और 2:45 बजे करीमनगर में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद शाम 5 बजे हैदराबाद में मेगा रोड शो भी होगा, जिसके बाद वे दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

तिरुमाला जाने वाले रास्ते पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

तिरुमाला में प्रधानमंत्री मोदी और ष्ट्रू जगन मोहन के दौरे के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा की जा रही है। रेनीगुंटा एयरपोर्ट से लेकर तिरुमाला हिल तक जाने वाले रास्तों पर चौकियां बनाकर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा CCTV कैमरे लगाए गए हैं और वाहनों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

हैदराबाद में कहा था- कांग्रेस-BRS एक-दूसरे की कार्बन कॉपी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (26 नवंबर) को तुरपान में एक जनसभा के दौरान कहा- छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान, तीनों राज्यों में मतदान हो चुका है और मैंने तीनों राज्यों में देखा है कि I.N.D.I.A साफ हो जाएगी। वहां की महिलाएं, वहां के किसान, वहां के जवान कांग्रेस पार्टी को जड़ों से उखाड़ फेंकने वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और BRS, दोनों की पहचान भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण और खराब कानून व्यवस्था से है। ये दोनों पार्टियां एक-दूसरे की कार्बन कॉपी हैं। इसलिए मेरी बात रखिएगा- दोनों से रहो सावधान, BJP ही बढ़ाएगी तेलंगाना का मान।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने (सोमवार) सुबह श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की लोगों की बधाई दी है। उन्होंने अपने मन की बात कार्यक्रम में भी प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर गुरु नानक देव का स्मरण किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर शुभकामनाएं। दूसरों की सेवा करने और भाईचारे को आगे बढ़ाने पर उनका जोर दुनिया भर के लाखों लोगों को ताकत देता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री हर धर्म का सम्मान करते हैं। वो 20 दिसंबर, 2020 को अचानक दिल्ली के गुरुद्वारा रकाबगंज पहुंच गए थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने गुरुद्वारा रकाबगंज में माथा टेकते हुए गुरु तेग बहादुर के त्याग को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

चुनाव से पहले केसीआर सरकार को तगड़ा झटका, ईसी ने रायतु बंधु योजना पर लगा दी रोक

हैदराबाद। तेलंगाना में 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इससे पहले केसीआर सरकार को तगड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग ने केसीआर सरकार द्वारा रायतु बंधु योजना के तहत किसानों को दी जाने वाली नकदी की मदद पर रोक लगा दी है। चुनाव आयोग ने आदेश जारी कर कहा है कि तत्काल इस योजना को रोक दिया जाए। बता दें कि पहले चुनाव आयोग ने इसकी अनुमति दी थी लेकिन बीआरएस नेताओं द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन किए जाने के बाद यह कड़ा कदम उठाया गया है। बताया गया कि राज्य के मंत्री अपने भाषण में इसका ऐलान कर रहे थे। चुनाव आयोग ने कहा, जब तक आदर्श आचार संहिता लागू है तब तक इस योनजा के तहत कोई भी रकम जारी नहीं की जाएगी। बता दें कि चुनाव आयोग ने कुछ शर्तों के आधार पर रबी की फसल के इन्स्टॉलमेंट के लिए राज्य सरकार को इजाजत दी थी। राज्य से कहा गया था कि इस योजना के महिमामंडन का काम चुनाव के दौरान ना किया जाए। हालांकि रिपोर्ट्स में बताया गया कि राज्य के मंत्री ही रायथु बंधु स्कीम का गुणगान करने में लगे थे। वे मंचों से यह भी कह रहे थे कि किसानों के खातों में पैसा आने वाला है। राज्य के वित्त मंत्री ने रबी फसल की किस्त का ऐलान भी किया था। उन्होंने कहा था, सोमवार को किसानों के खाते में पैसे भेज दिए जाएंगे। किसान सुबह का नाश्ता और चाय भी नहीं पी पाएंगे कि उनके खाते में पैसे आ जाएंगे। इसके बाद ही रविवार को कांग्रेस ने चीफ इलेक्शन कमिश्नर को पत्र लिखकर बीआरएस पर प्रतिबंध लगाने की बात कही थी। इसमें कहा गया था कि बीआरएस को इसके महिमामंडन से रोका जाए। चुनाव आयोग ने तेलंगाना की सरकार को 24 नवंबर

को ऋतु बंधु स्कीम का पैसा बांटने की इजाजत दे दी थी। यह 28 तारीख तक लागू थी। हलांकि कांग्रेस की शिकायत के बाद इजाजत वापस ले ली गई। सीईसी राजीव कुमार को लिखे पत्र में कांग्रेस ने कहा था कि बीआरएस नेता चुनाव आयोग की इजाजत का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और इसका प्रयोग मतदाताओं को लुभाने के लिए कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि वे अपने ही जेब से किसानों को पैसा दे रहे हों। वहीं बीआरएस नेता कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं कि उसी की वजह से किसानों को मिलने वाली मदद रुकी हुई है।

गुजरात में क्यों कहर बरपा रही बेमौसम बारिश

अहमदाबाद। गुजरात में बेमौसम बारिश और आकाशीय बिजली ने कम से कम 22 लोगों की जान ले ली है। रविवार को गुजरात में कई जगहों पर जोरदार बारिश और ओलावृष्टि हुई। ओले गिरने की वजह से सड़कों पर सफेद चादर बिछी नजर आई। दाहोद में चार, भरूच में तीन, तापी में दो, अहमदाबाद, अमरेली, बनासगकाठा, बातोड, खेड़ा, मेहसाना, पंचमहल, साबरकांठा, सूरत, सूरेंद्र नगर और द्वारका में एक-एक की मौत हो गई। बता दें कि मौसम विभाग ने सोमवार के लिए भी गुजरात में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

क्या है बेमौसम बारिश की वजह

मौसम विभाग कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ ऐक्टिव होने की

वजह से गुजरात के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। अहमदाबाद में मौसम विज्ञान केंद्र के डायरेक्टर मनोरमा मोहंती ने कहा कि रविवार के लिए बारी बारिश का अलर्ट था। हालांकि सोमवार को भी दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में भारी बारिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि उत्तरपूर्व अरब सागर में चक्रवातीय संचरण की वजह से यह बारिश हो रही है।

मौसम विभाग ने कहा कि सोमवार को गुजरात के ज्यादातर इलाकों में हल्की बारिश होगी। वहीं सोमवार से एक बार फिर मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि बेमौसम बारिश की वजह से कई जिलों मे ठंड बढ़ने के आसार हैं। एसईओसी के आंकड़ों के मुताबिक गुजरात के 252 में से 234 तालुका में रविवार को बारिश हुई। सुरेंद्रनगर, तापी, खेड़ा और अमेरेली जिलों में 50 से 117मिमी तक वर्षा रिकॉर्ड की गई। मोरबी और राजकोट में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी गुजरात में बारिश की वजह से होने वाली मौतों पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल प्लैटफॉर्म एक्स पर लिखा. गुजरात के कई शहरों में भारी बारिश और बिजली गिरने की वजह से लोगों की जान चली गई है। हम मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। स्थानीय प्रशासन को राहत बचाव करने के निर्देश दिए गए हैं। जो लोग घायल हुए हैं उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना करते हैं। बता दें कि रविवार को राजस्थान के भी कुछ जिलों में बारिश के साथ ओलावृष्ट हुई।

ममता बनर्जी ने नहीं काटा अडानी का पत्ता, हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट का अब भी हिस्सा

कोलकाता। कारोबारी गौतम अडानी और पश्चिम बंगाल सरकार ताजपुर में डीप सी पोर्ट प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार में मंत्री शशि पांजा ने साफ कर दिया है कि अडानी समूह प्रोजेक्ट से बाहर नहीं हुआ है। दरअसल, राज्य में हाल ही में हुए शिखर सम्मेलन में अडानी नहीं पहुंचे थे, जिसके बाद इस तरह के कयास लगने लगे थे। राजधानी कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पांजा ने कहा, बंगाल और अडानी ताजपुर प्रोजेक्ट के लिए साथ काम कर रहे हैं, जिसके लिए केंद्रीय गृहमंत्रालय की तरफ से भी सशर्त मंजूरी मिल गई है। गृहमंत्रालय, रक्षा मंत्रालय ने कई स्पष्टीकरण मांगे हैं। फिलहाल, हमारी सरकार और अडानी समूह इन मुद्दों पर साथ काम कर रहे हैं। जिन लोगों को जानकारी नहीं है, वे स्वभाविक है कि बकवास करेंगे।

कहां से उठी बात-21 और 22 नवंबर को कोलकाता में बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट का आयोजन हुआ था। यहां गौतम अडानी और उनके बेटे करण नहीं पहुंचे थे। अब सीएम बनर्जी के शुरुआती भाषण में उन्होंने ताजपुर प्रोजेक्ट का जिक्र कर दिया और कई बड़े कारोबारी समूहों को इससे जुड़ने का न्योता दे दिया।

सीएम से मुलाकात-खबर है कि साल 2021 के बाद से अब तक अडानी और उनके बेटे दो बार सीएम बनर्जी से मुलाकात कर चुके हैं। दिसंबर 2021 में अडानी ने टीएमसी सुप्रीमो से नाबन्ना में लंबी चर्चा की थी। इसके अलावा 2022 में उन्होंने BGBS का उद्घाटन करने के लिए न्योता दिया गया था।

TMC सांसद पर कार्रवाई-तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने रुपयों के बदले में संसद में सवाल पूछने के आरोप लगाए थे। उनके आरोप थे कि मोइत्रा ने कारोबारी अडानी पर सवाल पूछने के लिए रिश्वत ली थी। इस संबंध में कारोबारी दर्शन हीरानंदानी ने भी हलफनामा दिया था कि मोइत्रा ने अडानी को निशाना बनाया था।

मस्जिदों से उतरवाए गए लाउडस्पीकर, लखनऊ समेत यूपी के कई जिलों में पुलिस का फिर ऐक्शन

लखनऊ। धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर बजाने के मामले यूपी पुलिस एक बार फिर ऐक्शन में है। लखनऊ कानपुर समेत प्रदेशभर में स्पेशल डीजी प्रशांत कुमार के निर्देश पर सोमवार सुबह अभियान चलाकर पुलिस ने लाउडस्पीकर को उतरवाकर अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि लाउडस्पीकर को उतरवाने के दौरान पुलिस को सहयोग मिला। शांति से कार्रवाई की गई। खबर के मुबातिक, पुलिस टीमें सोमवार सुबह पांच गश्त पर निकली। जानकारी करने के फिर पुलिस ने एक्शन लिया। लखनऊ में तकिया वाली मस्जिद, गाजीपुर क्षेत्र समेत कई इलाकों में मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरे गए। वहीं फैजाबाद के उत्तर थाना दक्षिण थाना रसूलपुर और थाना रामगढ़ क्षेत्र से करीब एक दर्जन लाउडस्पीकर उतरवाए गए हैं। हमीरपुर में भी सुबह पांच बजे से पहले ही एसडीएम, सीओ

पुलिस फोर्स के साथ मस्जिदों के भ्रमण पर रहे। शहर की मस्जिदों के जिम्मेदारों से मिलकर उन्हें शासन द्वारा जारी निर्देशों की जानकारी दी। हालांकि किसी भी मस्जिद में बाहर कोई लाउड स्पीकर लगा नहीं मिला है। कानपुर में गोविद नगर, नई सड़क समेत कई मस्जिदों से भोर पहर लाउडस्पीकर हटाए गए। पुलिस आयुक्त आर.के. स्वर्णकार के नेतृत्व में धार्मिक स्थलों/सार्वजनिक स्थानों पर लगे अवैध लाउस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्रों को विभिन्न थानाक्षेत्र के अन्तर्गत विशेष अभियान चलाकर हटवाए गए। बांदा में भी मस्जिदों और मंदिरों से लाउडस्पीकर हटाए गए हैं। चित्रकूट के एक मस्जिद से भी हटाया गया। फर्रुखाबाद में 37 स्थान पर आवाज कम कराई गई 9 स्थान से लाउडस्पीकर हटवाए गए। ललितपुर में तीन मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरवाए गए। साथ ही कई मस्जिदों में वॉल्यूम कम कराया गया। कन्नौज में करीब 20 मस्जिदों में कार्रवाई की गई। तेज लाउडस्पीकरों की आवाज घटवाई गई।

उरई में एसपी ने मस्जिदों के पेश इमामों को मानक के अनुसार लाउडस्पीकर बजने का दिया निर्देश

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कोतवाली उरई व जालौन कोतवाली क्षेत्र का भ्रमण कर धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर चेक किया गया एवं धार्मिक स्थलों के धर्मगुरुओं को मानक के अनुसार लाउडस्पीकर बजने हेतु निर्देशित किया गया तथा ड्यूटीरत पुलिस बल को विशेष सतर्कता बरतने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ईरज राजा ने उरई कोतवाली की मुख्य मस्जिद करसान रोड स्थित कब्रिस्तान मस्जिद व मोहल्ला नया रामनगर की ईदगाह वाली मस्जिद जाकर वहां के पेश इमाम को मानक के हिसाब से लाउडस्पीकर चलने और बेवजह के लाउडस्पीकर हटाने का निर्देश दिया। इसके अलावा जालौन कोतवाली क्षेत्र में भी यह अभियान चलाया गया और सभी जगह धर्म गुरुओं व पेश इमामों को डीजीपी के आदेश का पालन करने का निर्देश दिया गया।

जब तक तोड़ेंगे नहीं, छोड़ेंगे नहीं; टनल में ऊपर से छेद, नीचे चूहे की तरह रहे भेद; एक साथ 5 तरफ से ऐक्शन

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए वर्टिकल ड्रिलिंग (सुरंग में ऊपर से नीचे की ओर खुदाई) चल रही है। ऑगर मशीन के टूटे हुए ब्लेड को भी बाहर निकाल लिया गया है। अब विशेष रूप से मैनुअल खुदाई के लिए प्रशिक्षित लोग हाथ से मलबा हटाकर 10 मीटर दूर मजदूरों तक रास्ता बनाने की कोशिश करेंगे। ये ठीक उसी तरह काम करते हैं जैसे चूहे कहीं धीरे-धीरे कुतरते हुए बिल बनाते हैं, इसलिए इन्हें इन्हें रैट माइनर्स भी कहा जाता है। सुरंग में अब एक साथ 5 योजना पर काम किया जा रहा है। मजदूर सुरंग में 16 दिन से फंसे हुए हैं। देसी और विदेशी मशीनों और एक्सपर्ट की मदद से उन्हें निकालने के लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। 41 जिंदगियों को बचाने के काम में दिनरात जुटी एजेंसियों का सबसे ज्यादा फोकस अब भी ऑगर मशीन के रास्ते पर ही है। इस क्रम में सबसे पहले पाइप में फंसी ऑगर मशीन को बाहर निकाला जाना है। इसके बाद आगे की खुदाई मैनुअल तरीके से करके श्रमिकों तक पहुंचा जाना है। अन्य विकल्पों में तीन स्थानों से वर्टिकल ड्रिलिंग होनी है। इसके तहत सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग शुरू भी कर दी गई है। दो अन्य स्थानों के लिए भी काम चल रहा रही है। सुरंग के दूसरे छोर यानि बड़कोट साइड पर भी बचाव कार्य लगातार जारी हैं। यहां टीएचडीसी ने चार विस्फोट कर 10.7 मीटर रास्ता बना लिया है। यहां दो मीटर चौड़ाई का पाइप 483 मीटर दूरी तक बिछाया जाना है।

इस संबंध में सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय के अपर सचिव महमूद अहमद ने रविवार को बताया कि रेस्क्यू

ऑपरेशन में अब एक साथ कई प्लानिंग पर काम चल रहा है। रविवार से सुरंग के ऊपर से वर्टिकल ड्रिलिंग का काम शुरू हो गया है। 19.2 मीटर वर्टिकल ड्रिलिंग की जा चुकी है। यहां 86 मीटर ड्रिलिंग की जानी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को टनकपुर के छीनीगोठ में पुष्कर के माता-पिता से मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने उन्हें बताया कि मशीन फंसने से बचाव कार्यों में देरी हो रही है। अब धीरे-धीरे रेस्क्यू करके कुछ घंटों में पुष्कर समेत सभी श्रमिकों को सकुशल निकाल लिया जाएगा। विशेषज्ञ बचाव में तेजी ला रहे हैं।

प्लान 01

सिलक्यारा की तरफ से आठ सौ एमएम के पाइप में फंसी ऑगर मशीन को बाहर निकाला जा रहा है। इसके बाद आगे की खुदाई मैनुवल तरीके से की जाएगी।

प्लान 02

बड़कोट छोर की ओर से टीएचडीसी ने चार ब्लॉस्ट कर 10.7 मीटर अंदर तक राह बना ली है। यहां दो मीटर चौड़ाई का पाइप 483 मीटर तक बिछाया जाना है।

प्लान 03

एसजीवीएनएल ने सुरंग के ऊपर से वर्टिकल ड्रिलिंग कर एक मीटर चौड़ा पाइप 19.2 मीटर तक पहुंचा दिया है। यहां कुल 86 मीटर पाइप ड्रिल किया जाना है।

प्लान 04

आरवीएनएल भी सुरंग के ऊपर एक अन्य स्थान पर वर्टिकल ड्रिलिंग कर रास्ता बनाएगी। इसके लिए मशीनें पहुंच गई हैं व उनके लिए प्लेटफार्म बनाया जा रहा है।

प्लान 05

बड़कोट की तरफ से वर्टिकल ड्रिलिंग को ओएनजीसी ने फील्ड सर्वे कर लिया है। बीआरओ ने मशीनों को पहुंचाने के लिए 975 मीटर सड़क तैयार की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चीन में और वायरस

चीन में एक और खतरनाक वायरस के फैलने की खबर ने चिंता में डाल दिया है। बताया जा रहा है, यह एक नए तरह का निमोनिया है, जिसके प्रतिदिन 7,000 मामले सामने आ रहे हैं। खासकर बच्चे इसके निशाने पर हैं, जिससे चिंतित विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चीन में लोगों को सावधान किया है। सांस संबंधी बीमारी के खतरे को कम करने के मकसद से लोगों को उसी तरह के उपाय आजमाने पड़ेंगे, जैसे कोरोना के समय आजमाए गए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन से सूचनाएं साझा करने को कहा है, क्या इस बार चीन इस नए वायरस के बारे में पूरी सूचनाएं देगा? ताजा वायरस के बारे में शुरुआती सूचनाएं 13 नवंबर से ही सामने आने लगी थीं और काम की सूचना यह भी है कि चीन इस नए वायरस को लेकर सतर्क है। साथ ही, उसने किसी तरह की चिंता से भी इनकार किया है। सूचना के अनुसार, चीन के उत्तरी क्षेत्रों में पिछले तीन वर्षों की इसी अवधि में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी में बढ़त देखी जाती है। क्या यह केवल मौसमी समस्या है? अगर मौसमी समस्या है, तो चीन इसे स्थायी रूप से रोकने के क्या उपाय कर रहा है? उत्तरी चीन में बच्चों में देखा जा रहा यह इन्फ्लूएंजा एक अज्ञात निमोनिया की वजह बन रहा है। दुनिया के देश चीन से यही उम्मीद करेंगे कि वह इस बार किसी भी तरह की गंभीर सूचना न छिपाए। अपने ही स्तर पर संक्रमण को रोक ले। चीन में अगर यह इन्फ्लूएंजा फैला, तो जाहिर है, उसके नाम पर भी बट्टा लगेगा। चीन खुद को महाशक्ति के रूप में पेश करता है, लेकिन अगर वह पूरी सख्ती के बावजूद संक्रामक बीमारियों से लड़ने में नाकाम रहता है, तो इससे दुनिया के उन देशों तक खराब संदेश जाएगा, जो चीन से उम्मीद रखते हैं। यह तो अपने आप में संगीन मामला है कि आखिर चीन में अज्ञात बीमारियां क्यों ज्यादा फैल रही हैं? श्वसन संक्रमण का खतरा अगर चीन में ज्यादा बढ़ा है, तो इसकी वजह जरूर खोजनी चाहिए। अनेक देशों में श्वसन संबंधी समस्या नगण्य है, जबकि चीन में गर श्वसन रोग के मामले ज्यादा हैं, तो चीनी अधिकारियों व नेताओं को गंभीर हो जाना चाहिए। चीन आलोचना को सकारात्मक ढंग से ले, तो यह उसके लिए भी बेहतर है। कोरोना के समय उसका जो रुख था, वह इतिहास में दर्ज है। पूरी सख्ती या तल्खी के साथ चीन ने किसी तरह के आरोप को खारिज किया था, पर अब अगर वहां से नए वायरस का सिलसिला न थमे, तो चीनी तल्खी बेरहमी में गिनी जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी अब ज्यादा जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। चीन के प्रति उसके उदार रवैये की निंदा पहले भी हो चुकी है। संगठन की टीम चीन गई थी, पर दुनिया में करीब 70 लाख लोगों की जान लेने वाला कोरोना वायरस किसी प्रयोगशाला से निकला था या किसी जानवर की वजह से फैला था, यह तय नहीं हो पाया। वैसे चीन में फैलती बीमारियों पर वहां के डॉक्टरों और चिकित्सकों को भी ज्यादा मुस्तैदी से काम करना होगा। यदि वहां खान-पान या रहन-सहन में खराबी आ गई है, तो स्वस्थ दुनिया के लिए सुधार के बड़े प्रयास होने चाहिए। जब चीन नाना प्रकार के खाद्य-अखाद्य उत्पाद दुनिया में बेचता है, तब तो यह सोचना ही होगा कि हम इंसानों की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्यों कमजोर होती जा रही है? चीन ही नहीं, दुनिया भर में तमाम ऐसे व्यवसायों या खान-पान को रोकना होगा, जिनसे सेहत को बहुत नुकसान पहुंच रहा है।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

आत्मनिर्भरता का मंत्र ही बचाएगा आर्थिकी

इस संतोष और धीरज भरे आर्थिक वातावरण में भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश की बढ़ती हुई श्रमशक्ति को उचित रोजगार प्राप्त नहीं हो रहा। उदार अनुकम्पा जिंदगी को चला नहीं सकती, उसे केवल जिंदा रख सकती है। श्रमशक्ति को भारतीय लघु और कुटीर उद्योगों का संबल रोजगार दे रहा है। आधुनिक उद्योगों का सिलसिला संपन्न वर्ग के रोजगार के अवसरों को कम करने पर जोर देता है, जिससे युवाओं में बेहतर रोजगार के लिये पलायन का खतरा बढ़ जाता है।

वैश्विक आर्थिक मंदी/ सुरेश सेठ

इस समय विश्वभर में महंगाई व ब्याज दरों के बढ़ने और आपूर्ति गड़बड़ाने से महंगाई व महामंदी का दौर है, बेकारी का आलम है और संपन्न देशों में भी खाद्यान्न संकट है। लेकिन भारत के बारे में कहा जा रहा है कि हमारी निवेश दर और उपभोक्ता मांग का स्तर, भारतीय अर्थव्यवस्था को आसन्न आर्थिक संकट से बचा लेगा। पिछले दिनों मूडीज की निवेश सेवा ने भी भारत के आर्थिक परिदृश्य के लिए जो भविष्यवाणी की है, वह आशा बंधाती है। मूडीज कहता है कि भारत 6.7 प्रतिशत की विकास दर को बनाए रख सकेगा। ऐसे में विदेशी पूंजी निवेशक के बाहर निकलने से भी भारतीय आर्थिकी पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, जो आशावाद और सुनहरे भविष्य का पर्याय है। वास्तविक घरेलू आय को देख लीजिए। मार्च के त्रैमासिक में अगर इसकी विकास दर 6.1 प्रतिशत थी तो जून की तिमाही में 7.8 प्रतिशत हो गई। उसके बाद यही विकास दर की गति जुलाई-सितम्बर की तिमाही में भी बनी रही। उपभोक्ताओं का आशावाद साफ दिखाता है कि ब्याज दरें बढ़ने के बावजूद ऋण में वृद्धि होगी। यह वृद्धि दो अंकों में भी हो सकती है। जिस मांग के पतन की आशंका थी, वह एक दूसरा ही पक्ष दिखाने लगी। यह पक्ष भी ऐसा था कि देश के लोगों ने महंगे फ्लैट, महंगी कारों की मांग में अत्यधिक वृद्धि कर दी। ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज लेकर भी अपनी इच्छाओं को पूरा करने की परवाह नहीं की। दूसरी ओर मुद्रास्फीति का सूचकांक भी उपभोक्ताओं का थोड़ा-सा धीरज बंधा गया। सितम्बर महीने में हमने मुद्रास्फीति की दर को 6.8 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक गिरते हुए देखा। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी पिछले दिनों कहा कि एक ओर हम मुद्रास्फीति पर नियंत्रण कर रहे हैं और दूसरी ओर आर्थिक विकास दर को गतिशील बनाने का प्रयास कर रहे हैं। बल्कि उसके बढ़ने की उम्मीद अगले दो-तीन साल में भारत को पांचवीं आर्थिक महाशक्ति से तीसरी आर्थिक महाशक्ति बना देने की संभावना बता रही है। हम इस विकट स्थिति से इसलिए निकल पाए क्योंकि भारत के घरेलू निवेशकों ने अपनी अर्थव्यवस्था पर भरोसा करते हुए ब्याज दरों के बढ़ने के बावजूद निवेश दर को घटाया नहीं। भारत के संपन्न होते हुए मध्यवर्ग ने अपनी देर से लंबित इच्छाओं की पूर्ति के लिए महंगी चीजों की मांग भी बढ़ा दी, जिसको पिछले उत्सव दिनों में भी देखा गया है। नतीजा यही है कि देश की फैक्टरियां रुकी नहीं। नौकरियों में जो छंटनी की आशंका थी, वह नहीं हुई। उसके साथ-साथ सरकार ने अनुकम्पा और उदार सस्ते अनाज का अभियान चलाया, उससे भी देश में वह हालात पैदा नहीं हुए जो किसी अवसादग्रस्त मंदी के वातावरण में पैदा हो जाते हैं। लेकिन इस संतोष और धीरज भरे आर्थिक वातावरण में भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश की बढ़ती हुई श्रमशक्ति को उचित रोजगार प्राप्त नहीं हो रहा।

उदार अनुकम्पा जिंदगी को चला नहीं सकती, उसे केवल जिंदा रख सकती है। श्रमशक्ति को भारतीय लघु और कुटीर उद्योगों का संबल रोजगार दे रहा है। आधुनिक उद्योगों का सिलसिला संपन्न वर्ग के रोजगार के अवसरों को कम करने पर जोर देता है, जिससे युवाओं में बेहतर रोजगार के लिये पलायन का खतरा बढ़ जाता है। पिछले साल रिकार्ड स्तर पर भारतीय प्रवासियों ने अपनी नागरिकता छोड़ने की अर्जियां दी हैं। भले ही घरेलू मांग की वृद्धि दिखाते हुए भारत ने मंदी का मुंह मोड़ दिया। लेकिन याद रखिए, यह अच्छे दिनों की आमद की सूचना नहीं है। अच्छे दिन तभी आते हैं जब देश की जनता को रोजी-रोटी और रोजगार की सुरक्षा मिल जाए। अधिकतर नौजवान या तो रियायती अनाज पर जीने का भरोसा किए हैं या विदेशों के सपने के साथ यहां से पलायन कर जाना चाहते हैं। जो पराजित और थके-हारों में शामिल हो गए, उनके लिए तो नशों का अंधेरा है ही। देश में स्थायी मंदी तभी टल सकेगी अगर काम करने वाले हाथों को यथोचित काम मिल जाए। डिजिटल या स्वचालित निर्माण व्यवस्था के साथ रोजगारपरक लघु और कुटीर उद्योगों का एक ऐसा संतुलन पैदा कर दिया जो कि जरूरी वस्तुओं की मांग में भी कमी न आए। आम आदमी के काम की अपेक्षा की सुध ली जाए, तभी देश में स्थायी विकास होगा। इस समय मूल्य सूचकांकों में एक त्रुटि हमें नजर आ रही है कि इनका गिरना रोजमर्रा के इस्तेमाल के खाद्य पदार्थों और सब्जियों की कीमतों के गिरने पर ही निर्भर करता है। जैसे ही इनकी आपूर्ति में कुछ गड़बड़ पैदा होती है और इनकी कीमतें उछलती हैं तो साथ ही मूल्य सूचकांक भी खतरे की हद को स्पष्ट करने लगता है। और महंगाई का बोलबाला आम आदमी की जिंदगी को दूभर बनाने लगता है। पूंजी निवेश ही इसका एकमात्र हल है और उसके लिए घरेलू निवेश के साथ-साथ विदेशी निवेश को आकर्षित करने का भी एक संतुलन बनाना पड़ेगा।

लेखक साहित्यकार हैं।

चीन में रहस्यमय बीमारी, नई महामारी की तैयारी!

इसी 13 नवंबर को उसके राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया था कि वहां एक नया संक्रमण तेज फैल रहा है। बच्चे ज्यादा चपेट में आ रहे हैं। उत्तरी भागों में पिछले तीन बरसों के मुकाबले इस अक्टूबर मध्य से एकाएक तेजी से इस बीमारी ने पैर पसारा। इन्फ्लूएंजा अमूमन जल्द काबू आता है। जब नहीं आया तब 21 नवंबर को सार्वजनिक रोग निगरानी प्रणाली (प्रोमेड) ने उत्तरी चीन में रहस्यमय न्यूमोनिया जैसी बीमारी सार्वजनिक की। देखते-देखते अस्पताल मरीजों से भरने लगे, जो रुकने का नाम ही ले रहे। यहीं से चिंता और चीन के पुराने झूठ और दोगलेबाजी पर ध्यान गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन को चेताया कि बीमारी के जोखिम को कम करने खातिर टीकाकरण और मरीजों से जरूरी दूरी बनाकर क्वारांटाइन करें और जांच कराएं।

- ऋतुपर्ण दवे

एक बार फिर पूरी दुनिया चीन में बच्चों में फैली रहस्यमय बीमारी को लेकर बेहद खौफजदा है। ढीठ चीन पहले की तरह ऐंठा हुआ है कि किसी नई बीमारी के संकेत वहां नहीं मिले हैं। जो हैं सभी पहले से मालूम बैक्टीरिया-वायरस हैं जो बच्चों में फैल रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बीजिंग से पूछा तो उसने बताया कि कुछ भी असामान्य नहीं है। यह साधारण बीमारी है। लेकिन उसकी चालबाजी यहीं समझ आती है कि जब बीमारी सामान्य है तो फिर क्यों विशेषज्ञ इसकी वजह कोविड पाबंदियों को हटाना, इन्फ्लूएंजा, बच्चों में एक आम जीवाणु संक्रमण यानी माइकोप्लाज्मा निमोनिया और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस यानी आरएसवी को बताते हैं? कहीं चीन बीमारी की सच्चाई जानकर भी दुनिया को दोबारा धोखा देने की फिराक में तो नहीं? क्यों विश्व स्वास्थ्य संगठन भी लोगों से अपील कर रहा है कि साफ-सफाई का ध्यान रखें और श्वांस संबंधी किसी भी लक्षणों पर तुरंत डॉक्टर से मिलें। पड़ोसी नेपाल ने न केवल अलर्ट जारी किया बल्कि बीमारी की जानकारी न देने पर चीन से नाराजगी भी जताई है। कोविड-19 सरीखे लक्षणों वाली नई बीमारी के चीन में जितने भी टेस्ट हुए हैं उनमें चीन ने कोरोना को खारिज किया है। लेकिन क्यों विशेषज्ञ इतने दिनों के बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे हैं? बीमारी कैसे फैल रही है? इसे लेकर बीजिंग खामोश है। इसी 13 नवंबर को उसके राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया था कि वहां एक नया संक्रमण तेज फैल रहा है। बच्चे ज्यादा चपेट में आ रहे हैं। उत्तरी भागों में पिछले तीन बरसों के मुकाबले इस अक्टूबर मध्य से एकाएक तेजी से इस बीमारी ने पैर पसारा। इन्फ्लूएंजा अमूमन जल्द काबू आता है। जब नहीं आया तब 21 नवंबर को सार्वजनिक रोग निगरानी प्रणाली (प्रोमेड) ने उत्तरी चीन में रहस्यमय न्यूमोनिया जैसी बीमारी सार्वजनिक की। देखते-देखते अस्पताल मरीजों से भरने लगे, जो रुकने का नाम ही ले रहे। यहीं से चिंता और चीन के पुराने झूठ और दोगलेबाजी पर ध्यान गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन को चेताया कि बीमारी के जोखिम को कम करने खातिर टीकाकरण और मरीजों से जरूरी दूरी बनाकर क्वारांटाइन करें और जांच कराएं। मास्क पहनने और नियमित रूप से हाथ धोने जैसी बातों का पालन हो। भारत सतर्क है लेकिन ज्यादा कुछ कहने से गुरेज कर रहा है। यह संक्रमण महामारी बनेगा या नहीं? यह भविष्य के गर्त में है। यह सही है कि पिछले दो-तीन माहों से भारत में बुखार का एक अजीब दौर दिख रहा है, जिसमें मरीज को पूरी तरह से ठीक होने में 10 से 15 दिन लग रहे हैं। ऊपर से पूरा शरीर टूटता है तथा जबरदस्त कमजोरी के साथ खांसी की शिकायत भी रहती है। चीन का रहस्यमय इन्फ्लूएंजा भी भारी पड़ रहा है। चिकित्सक भी सलाह देते हैं कि ऐसी कोई भी बीमारी या मिलते-जुलते लक्षण दिखें तो तुरंत जांच व परामर्श लिया जाए। प्रायः वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण बुखार पैदा करता है जो ठंड में या दूसरे मौसम में भी संभव है। इसमें नाक बहना, खांसी, सांस की लघुता यानी शॉर्टनेस ऑफ ब्रीद (एसओबी), उल्टी और दस्त भी हो सकता है। सभी मामलों में जरूरी नहीं कि यही लक्षण हों। इसके कई दूसरे कारण भी हो सकते हैं जैसे एडेनो वायरस, इन्फ्लूएंजा वायरस, एंटरोवायरस, राइनोवायरस और कोविड वायरस जैसे तमाम वायरस जिम्मेदार हैं। वहीं कुछ सामान्य से बैक्टीरिया और कुछ असामान्य बैक्टीरिया जैसे स्पाइरोकेट्स जिससे सिफलिस और लाइम रोग तो लेप्टोस्पाइरासे नाक, मुंह, आंखों में जानवरों के मल-मूत्र से दूषित पानी या मिट्टी के चोटिल त्वचा पर लगने से फैल कर जीवन-घातक बीमारियों में बदल जाता है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने अजीब चीनी निमोनिया को लेकर तमाम मीडिया रिपोर्ट्स और ग्लोबल संक्रामक रोग मॉनिटरिंग सर्विस की रिपोर्टों का हवाला दिया है। यह भी कहा है किए सभी सांस के संक्रमण के मामले नहीं हैं जो चिंताजनक है। वैज्ञानिक और रिसर्चर कड़ी निगरानी की बात कहते हैं। बीजिंग से करीब 700 किलोमीटर दूर लिओनिंग में तेजी से फैल रही बीमारी बच्चों को निशाना बना रही है। हालात बेकाबू हैं। अस्पतालों में जगह नहीं है। स्कूल बन्द हो चुके हैं। चीन कुबूलता तो है कि बीमारी बढ़ी है। लेकिन कोरोना के सरीखे रहस्यमयी चुप्पी साधे हुए है। बस इसी से दुनिया एक बार फिर चीन को शक की निगाह से देख रही है। वहां कोरोना सरीखे पाबंदियां लग चुकी हैं। दुनिया दोबारा कोरोना महामारी के अटैक से डरी है। ऐसे में किसी बड़े खतरे और महामारी को टालने खातिर मास्क और प्रभावितों से दो गज की दूरी फिर जरूरी है। कोरोना के दौरान और कोरोना के बाद के हालातों से दुनिया बड़ा सबक पहले ले चुकी है। ऐसे में वैक्सीन से पहले ही आपसी समझ और परहेज से काबू हो जाए तो इससे बेहतर क्या हो सकता है?

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विचार मंथन

इजराइल का अहंकार हमास ने तोड़ा

(लेखक- सनत जैन)

50 दिन से अधिक हो गए हमास और इजरायल के बीच युद्ध चल रहा है। हजारों लोगों की मौत हो गई, जिसमें सबसे ज्यादा संख्या महिलाओं और बच्चों की थी। अहंकार की इस लड़ाई में इजराइल न केवल, पूरी तरह से हारता हुआ दिख रहा है। वरन 20 से 22 लाख की आबादी वाले फिलिस्तीन से युद्ध लड़कर सारी दुनिया में अपनी हंसी उड़वा रहा है। हमास से अपने बंधकों को छुड़ाने में इजरायल विफल रहा है। युद्ध विराम की घोषणा के बाद अब एक के बदले तीन कैदियों को छोड़कर इजराइल किसी तरीके से अपनी इज्जत बचाने की कोशिश कर रहा है। जिसके कारण इजरायल की सारी दुनिया के देशों में थू-थू हो रही है। तकनीकी और युद्ध के क्षेत्र में जो दबदबा अभी तक इजराइल का सारी दुनिया के देशों में बना हुआ था। वह भी मिट्टी में मिलता हुआ दिख रहा है।

करीब दो साल से रूस और यूक्रेन के बीच लगातार युद्ध चल रहा है। इसी बीच इजराइल और फिलिस्तीन के बीच भी युद्ध शुरू हो गया। संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर विश्व की सारी ताकतें चुपचाप तमाशा देख रही हैं। जन धन और प्रकृति तीनों ही नष्ट हो रही है। सत्ता के मद में डूबे हुए अहंकारी सत्ताधीस, हजारों लोगों को मौत के घाट रोजाना उतार रहे हैं। घातक हथियारों से शहरों को नष्ट कर रहे हैं। प्रकृति को भी छिन्न भिन्न करने में लगे हुए हैं। मानवता शर्मसार हो रही है। मानव होते हुए भी, जानवरों से खराब व्यवहार हम अपनी ही मानव प्रजाति पर कर रहे हैं।सारी दुनिया अपने-अपने हथियारों का प्रदर्शन, एक दूसरे को डराने और मारने के लिए कर रहे हैं। हथियारों के बल पर ताकत दिखाने की जो कोशिश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाशक्तियों द्वारा की जा रही है। उसके बाद भी उनके हाथ में कुछ लग नहीं रहा है। हां, महाशक्तियों का अहंकार भी धीरे-धीरे खत्म होने की कगार पर आ रहा है। 50 दिन के युद्ध में अमेरिकी सहयोग के बाद भी इजरायली सैनिक, हमास के सैनिक जो चंद संख्या में थे। इजरायल की तुलना में उनके पास कोई संसाधन भी नहीं थे। इजराइल के सैनिक बंधकों को खोज नहीं पाए। बंधकों को नहीं छुड़ा पाने से लाचार हुए इजराइल को आखिर में हमास की मांग माननी ही पड़ी। हमास ने एक बंधक को छोड़ने के बदले तीन फिलिस्तीन के बंधक इजराइल से छुड़ा लिए। एक ही झटके में इजराइल का सारा गरुर मिट्टी में मिल गया। दोनों देशों के बीच यह मुद्दा बातचीत से आसानी से सुलझाया जा सकता था। इजरायल ने जानबूझकर इस मामले को हवा दी। फिलिस्तीन के हजारों लोगों को इजरायल की जेल में बंद करके रखा गया। पिछले दो वर्षों से फिलिस्तीन के साथ इजराइल दादागिरी की पराकाष्ठा में पहुंच गया था। तब हमास के लड़ाकूओं के लिए फिलिस्तीन में अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए जंग का ऐलान करना पड़ा। सत्ता की इस लड़ाई में हजारों निरपराध, निर्दोष लोग मारे गए। सत्ता में बैठे हुए सत्ताधीस अपने अहंकार में हजारों लोगों की मौत का कारण बने हैं इसराइल ने अस्पताल में भी हमले कर मानवता को शर्मसार किया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय कानून का भी खुले आम उल्लंघन किया है।यूक्रेन, रूस, इजरायल और फिलिस्तीन में लड़ाई के दौरान रिहायशी क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाया गया है। हजारों नागरिकों की बिना किसी अपराध के मौत हुई है। पिछले 20-30 वर्षों में जो विकास हुआ था। वह सब जमीदोज हो गया है। खाने-पीने और रहने से लोग मोहताज हो गए। रासायनिक और जैविक हथियारों का उपयोग भी इजराइल और फिलीस्तीन के बीच में हुआ है। इसके परिणाम आने वाली कई पीढ़ियों को भुगतने पडेगें। अमेरिका और पश्चिम के देश हमेशा दूसरे देशों में जाकर मानवता और विकास के नाम पर दखलअंदाजी करते हैं। एक दूसरे को लडाते हैं। ताकत के बल पर वहां के संसाधनों को अपने कब्जे में लेते हैं। दुनिया के अधिकांश देशों में धर्म युद्ध और गृह युद्ध लड़े जा रहे हैं। जिसमें रोजाना हजारों लोगों की मौत हो रही है। अनादिकाल से युद्ध का इतिहास सभी को पता है। उसके बाद भी सत्ता के मद में सिंहासन पर बैठे हुए अहंकारी सत्ताधीस कैसे मानवता लिए खतरा बन गए हैं। यह वर्तमान हालातो को देखने से स्पष्ट है। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह भी है। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन भी फुसकी बम बनकर रह गए हैं। वहीं युद्ध के दौरान रेड क्रॉस की भूमिका जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होती थी। वह भी इस बार देखने को नहीं मिल रही है। आर्थिक विकास के नाम पर विनाश की इस गाथा से सभी आश्चर्यकित हो रहे है। आर्थिक विकास की कीमत क्या विनाश को साथ लेकर आती है। यह हम सभी के लिये शोचनीय है।

अमेरिका ने टीसीएस को 21 करोड़ डॉलर का भुगतान करने का कहा!

- डीएक्ससी के सोर्स कोड का दुरुपयोग करने का मामला

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कंपे नियों में से एक आईटी कंपनी टीसीएस को अमेरिका में झटका लगा है। अमेरिका की एक जूरी ने कंपनी को 21 करोड़ डॉलर (लगभग 17,50,01,08,500 रुपये) का भुगतान करने के` लिए कहा है। टाटा ग्रुप की कंपनी पर आरोप लगाया गया है कि उसने अपना सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म टीसीएस बेंक्स को` विके सित करने के लिए अमेरिका की आईटी सर्विसेज कंपनी डीएक्ससी के सोर्स कोड का दुरुपयोग किया था। डीएक्ससी को पहले सीएससी के नाम से जाना जाता था। जूरी ने कहा कि टीसीएस ने सीएससी के प्रोप्राइटरी प्लेटफॉर्म में सेंध लगाकर ट्रेड सीक्रेट को एक्सेस किया था। टीसीएस को अमेरिका में यह दूसरा झटका है। इससे पहले अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने भी कंपनी को 14 करोड़ डॉलर का भुगतान करने को कहा था। इस मामले में कंपनी पर आरोप था कि उसने ऑथराइजेशन के बिना एपिक सिस्टम्स के वेब पोर्टल को एक्सेस किया था। इस बारे में चर्चा के लिए जब टीओआई ने टीसीएस से संपर्क किया तो कंपनी ने कहा कि वह जूरी के फैसले से सहमत नहीं है। इस मामले का फैसला अब कोर्ट में होगा जिनसे सभी पक्षों से और जानकारी मांगी है। कंपनी इस मामले में अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखेगी। साल 2018 में टीसीएस को ट्रांसअमेरिका से 2.5 अरब डॉलर की डील मिली थी। लेकिन इस साल जून में ट्रांसअमेरिका ने टीसीएस के साथ दो अरब डॉलर की डील खत्म कर दी। कंपनी ने मैक्रोइकॉनमिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए ऐसा किया।

नए साल से फोन-पे से मिल सकेगा पर्सनल लोः रिपोर्ट

नई दिल्ली । जल्द ही डिजिटल पेमेंट कंपनी फोन-पे पर पर्सनल लोन मिल सकेगा। रिपोर्ट की मानें तो अगले साल जनवरी 2024 तक ही फोनपे अपने प्लेटफॉर्म पर कंज्यूमर लेंडिंग या कंज्यूमर लोन को लांच कर सकता है। इस बारे में मामले की जानकारी रखने वालों ने एक रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार शुरुआत में वॉलमार्ट समर्थित कंपनी पर्सनल लोन के लिए एक डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में काम करेगी क्योंकि यह धीरे-धीरे क्रेडिट अंडरराइटिंग का भार बढ़ाती है। यह सुविधा शुरू करने के लिए कंपनी पांच लेंडर्स, बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों के साथ एकीकरण की ओर है। रिपोर्ट के मुताबिक अगले छह से सात महीनों में फोन-पे के पास कई कंज्यूमर (क्रेडिट) उत्पाद होने की उम्मीद है। यह अंडरराइटिंग पर काम कर रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कौन से ग्राहक लेंडर्स के क्राइटेरिया पर फिट बैठेंगे और फिर धीरे-धीरे उपभोक्ताओं के लिए पेशकश खोलेंगे। फोन-पे के मंच पर रजिस्टर्ड यूजर्स की संख्या 500 मिलियन से अधिक हो गई है, जबकि 37 मिलियन मर्चेंट है। घोषणा के बाद फिनटेक कंपनी कई वरिष्ठ अधिकारियों के प्रमोशन की भी घोषणा की गई।

रियल एस्टेट शेयर करीब 15 साल के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली।

मजबूत बिक्री और आरबीआई की दरों में बढ़ोतरी पर रोक के बाद रियल्टी इंडेक्स मार्च 2019 के निचले स्तर से 89 फीसदी ऊपर है। जेफ़रीज़ ने एक रिपोर्ट में कहा है कि सेक्टर वैल्यूएशन (पीबीएक्स) अब 2021 के पीक के करीब है, जिससे रीरेटिंग हेडरूम, विदेशी ब्रोकरेज कम हो गया है।ग्राहक प्रतिक्रिया का मतलब है कि पूर्व-बिक्री अनुमानों में अपग्रेड अभी भी संभव है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि लगभग 15 साल के उच्चतम स्तर पर प्रोपर्टी शेयरों में गड़बड़ी की गुंजाइश कम है। इसमें कहा गया है कि मार्च 2023 में आरबीआई की दर पर रोक के बाद सेक्टर का मूल्यांकन 2021 के चरम स्तर तक पहुंच गया। त्योहारी सीजन में उछाल के कारण अक्टूबर 2023 में बिक्री शीर्ष-7 शहरों में सालाना आधार पर 20 फीसदी बढ़कर 50,000 से अधिक यूनिट के स्तर पर पहुंच गई है। इन्वेंट्री स्तर में अभी भी गिरावट आ रही है, और मूल्य निर्धारण मजबूत है। दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन ने हमारे 10-सूचीबद्ध डेवलपर नमूने की बिक्री को 1एच में प्लस 35 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। नवंबर 2023 में मजबूत लॉन्च के साथ,

हमारा मानना है कि रिकॉर्ड तीसरी तिमाही की संभावना है।अक्टूबर 2023 के लिए प्रोपेक्विटी के आंकड़ों के हमारे विश्लेषण से पता चलता है कि रिकॉर्ड दूसरी तिमाही के बाद मजबूत तीसरी तिमाही की अच्छी शुरुआत हुई है। शीर्ष-7 शहरों में वॉल्यूम (बेचा गया क्षेत्र) के हिसाब से साल-दर-साल प्रीसेल प्लस 25 प्रतिशत है, 10 प्रतिशत सालाना मिश्रित मूल्य निर्धारण लाभ के साथ।

रूस ने मेटा के प्रवक्ता को वांछित सूची में डाला

मुंबई । रूस ने अमेरिकी प्रोद्योगिकी कंपनी मेटा के प्रवक्ता को वांछित सूची में शामिल कर लिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय द्वारा बनाए गए एक ऑनलाइन डेटाबेस से यह जानकारी सामने आई। मेटा, सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' और 'इंस्टाग्राम' की मालिकाना कंपनी है। रूस की एक सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि मेटा संचार निदेशक एंडी स्टोन को वांछित सूची में शामिल किया गया। रूसी अधिकारियों द्वारा अक्टूबर में मेटा को आतंकवादी और चरमपंथी संगठन के रूप में वर्गीकृत करने के कुछ सप्ताह बाद यह कदम उठाया गया। हालांकि रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों में जांच का विवरण या स्टोन के खिलाफ आरोपों की जानकारी साझा नहीं की गई। मेटा की तरफ से भी इस मामले पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रूस की एक स्वतंत्र समाचार वेबसाइट के मुताबिक स्टोन को फरवरी 2022 में वांछित सूची में शामिल किया गया था, लेकिन उस समय अधिकारियों ने इससे संबंधित कोई बयान नहीं दिया तथा इस सप्ताह तक इससे जुड़ी कोई रिपोर्ट मीडिया में नहीं आई।

फिनटेक यूनिट लाएगी एलआईसी, दिसंबर में ऑफर करेगी नई सेवा

नई दिल्ली । बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलआईसी एक नई फिनटेक कंपनी बनाने की योजना बना रही है। एलआईसी इसके लिए संभावनाएं तलाश रही है। एलआईसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि एलआईसी ने संपूर्ण डिजिटल बदलाव परियोजना (डीआईवीई) शुरू की है। इस परियोजना को चलाने के लिए एक सलाहकार नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद डीआईवीई प्रोजेक्ट के जरिए अपने सभी हितधारकों, ग्राहकों, मध्यस्थों, मार्केटिंग संबंधी लोगों और अन्य के लिए अपनी कैटेगरी में सर्वश्रेष्ठ डिजिटल इनिशिएटिव स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि एलआईसी को ज्यादातर नए ग्राहक अपने एजेंट के जरिए मिलते हैं। इसके बाद अन्य सेक्टर्स में भी बदलाव देखने को मिलेगा। क्लेम सेटलमेंट, लोन तथा अन्य सेवाएं एक बटन के क्लिक पर उपलब्ध कराई जाएंगी। ग्राहकों को ऑफिस आने की जरूरत नहीं है। वे घर बैठे अपने मोबाइल के जरिए हमारी जरूरी सेवाओं तक पहुंच बना सकते हैं। हम वित्तीय प्रौद्योगिकी पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और व्यवसाय के विस्तार में इसकी क्षमता का इस्तेमाल करेंगे। एलआईसी ने प्रोडक्ट डिस्ट्रीब्यूशन के लिए चालू वर्ष में अब तक तीन फिनटेक कंपनियों को कॉर्पोरेट एजेंट के रूप में जोड़ा है। एलआईसी ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 में नई पॉलिसी के प्रीमियम में डबल डिजिट में वृद्धि प्राप्त करने के उद्देश्य से आगामी महीनों में तीन से चार नए उत्पाद पेश करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि एलआईसी दिसंबर के पहले सप्ताह में एक नई सर्विस ऑफर करने जा रही है। उम्मीद है मार्केट में इसे अच्छा रिस्पांस मिलेगा।

भारत में लेखांकन कार्यों पर खर्च होने वाले 46 प्रतिशत समय की जगह लेगा जेनरेटिव एआई

नई दिल्ली।

जेनेरिक एआई में 2032 तक भारत में लेखांकन कार्यों पर खर्च होने वाले 46 प्रतिशत समय को स्वचालित करने की क्षमता है। सोमवार को एक नई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। कुछ सफेदपोश भूमिकाओं (जैसे अकाउंटेंट, बहीखाता क्लर्क, वर्ड प्रोसेसर ऑपरेटर, प्रशासनिक सचिव, स्टॉल/मार्केट सेल्सपर्सन) में शामिल कार्यों पर बिताया गया लगभग 30 प्रतिशत या अधिक समय जेनेरिक एआई द्वारा किया जा सकता है। इसकी तुलना में, शिक्षण कंपनी पियर्सन की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक कामकाजी सप्ताह में ब्लू-कॉलर श्रमिकों (जैसे बुनकर, वेटर, बेकर / रसोइया आदि) का 1 प्रतिशत से भी कम काम जेनरेटिव एआई द्वारा किया जा सकता है। कई प्रशासनिक भूमिकाओं में दोहराए जाने वाले कार्य होते हैं - जैसे नियुक्तियों को शेड्यूल करना या कॉल का उत्तर देना और निर्देशित करना - जिन्हें जेनरेटर एआई द्वारा आसानी से दोहराया जा सकता है। भारत में, सबसे अधिक प्रभावित कार्य लेखांकन और बही-खाता (46 प्रतिशत) है, इसके बाद वर्ड प्रोसेसर और संबंधित ऑपरेटर (40 प्रतिशत) हैं। पियर्सन वर्कफोर्स स्किल्स के अध्यक्ष माइक हॉवेल्स ने कहा,÷जैसा कि कर्मचारी भविष्य की ओर देखते हैं, यह समझना कि एआई से कौन सी नौकरियों को खतरा है, उन्हें तैयारी करने की अनुमति मिलती है। उन्हें यह भी विचार करना चाहिए कि जनरल एआई द्वारा नई भूमिकाएं कहां बनाई जा सकती हैं।

श्रमिकों और नियोक्ताओं को यह देखना चाहिए कि वे सर्वोत्तम एआई और सर्वोत्तम मानव कौशल का एक साथ उपयोग करके परिवर्तन की इस लहर को कैसे चला सकते हैं। भारत में सबसे कम प्रभावित नौकरियां परिवहन और संचार में कार्यरत मालिक, निदेशक और अधिकारी तथा बिक्री और विपणन प्रबंधक हैं। पियर्सन की नवीनतम स्किल्स आउटलुक श्रृंखला में पांच देशों - ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत, अमेरिका और यूके में 5,000 से अधिक नौकरियों पर जेनरेटिव एआई के प्रभाव को देखा गया।

चीन में निजी उद्यमों के लिए वित्तीय सेवाओं की मजबूती के लिए 25 नए उपाय जारी

बीजिंग।

चीनी जन बैंक के अनुसार, चीनी जन बैंक, वित्तीय पर्यवेक्षण ब्यूरो, चीन प्रतिभूति नियामक आयोग, विदेशी मुद्रा ब्यूरो, राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग, उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और अखिल चीन उद्योग एवं वाणिज्य महासंघ सहित 8 विभागों ने हाल ही में संयुक्त रूप से एक नोटिस जारी किया। इसमें निजी उद्यमों के लिए वित्तीय सेवाओं की आवश्यकताओं, लक्ष्यों और प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया गया, और निजी अर्थव्यवस्था का समर्थन करने, निजी उद्यमों के लिए वित्तीय सेवाओं को मजबूत करने और प्रयास करने के लिए 25 विशिष्ट उपायों का प्रस्ताव दिया। यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाना चाहिए कि निजी अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय सहायता आर्थिक और सामाजिक विकास में निजी अर्थव्यवस्था के योगदान के अनुरूप हो। नोटिस के अनुसार, वे निजी उद्यमों के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाएंगे और धीरे-धीरे निजी उद्यमों को ऋण का अनुपात बढ़ाएंगे। विशेषकर पेशेवर, परिष्कृत, विशिष्ट और

नवीन उद्यम, हरित और निम्न-कार्बन, औद्योगिक आधार पुनर्निर्माण परियोजनाओं और निजी लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्यमों जैसे प्रमुख क्षेत्रों के लिए समर्थन बढ़ाना आवश्यक है।

नोटिस में प्रस्तावित किया गया है कि निजी अर्थव्यवस्था की सेवा में वित्तीय संस्थानों का उत्साह बढ़ाने के लिए मौद्रिक नीति उपकरण, राजकोषीय प्रोत्साहन, बीमा गारंटी और अन्य उपायों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाना चाहिए।

जनवरी से आडी दो प्रतिशत बढ़ाएगी कारों की कीमत

मुंबई ।

जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी ने कहा कि कच्चे माल की मांग और परिचालन लागत बढ़ने से वह अगले साल जनवरी से भारत में अपने वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ाएगी। ऑडी इंडिया की ओर से जारी एक बयान के अनुसार कीमतों में बढ़ोतरी एक जनवरी 2024 से प्रभावी हो जाएगी और सभी मॉडल रेंज में बढ़ोतरी होगी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि आपूर्ति-श्रृंखला-संबंधित कच्चे माल की बढ़ती मांग और परिचालन लागत के कारण हमने ब्रांड की प्रीमियम मूल्य स्थिति को बनाए रखते हुए अपने मॉडल रेंज में मूल्य सुधार किया है। उन्होंने कहा कि मूल्य सुधार का उददेश्य ऑडी इंडिया और हमारे डीलर भागीदारों की सतत वृद्धि सुनिश्चित करना है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कीमत बढ़ने का प्रभाव ग्राहकों जितना हो सके कम से कम पड़े। ऑडी इंडिया ने क्यू3 एसयूवी से लेकर स्पोर्ट्स कार आरएसक्यू8 तक कई वाहन का विक्रय करती है, जिनकी कीमत 42.77 लाख रुपए से 2.22 करोड़ रुपए के बीच है।

तीसरी तिमाही में सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर फर्म बनी एनवीडिया, इंटेल, सैमसंग, टीएसएमसी को पछाड़ा

सैन फ्रांसिस्को।

ग्राफिक्स चिप की दिग्गज कंपनी एनवीडिया इस साल की तीसरी तिमाही में इंटेल, सैमसंग और ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) को पछाड़कर सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली सेमीकंडक्टर कंपनी बन गई है।ताइपे स्थित वित्तीय विश्लेषक डैन निस्टेड ने 2021 की पहली तिमाही के बाद से सभी तिमाहियों के लिए इंटेल, एनवीडिया, सैमसंग सेमीकंडक्टर और टीएसएमसी से वित्तीय परिणाम संकलित किए और आंकड़ों से पता चला कि एनवीडिया दुनिया की सबसे अधिक लाभदायक चिप कंपनी बनने के लिए अन्य सभी को पीछे छोड़ चुकी है। निस्टेड्ट ने एक्स पर पोस्ट किया, एनवीडिया ने टीएसएमसी, इंटेल और सैमसंग को पछाड़ते हुए तीसरी तिमाही में चिप इंडस्ट्री के राजस्व का ताज अपने नाम कर लिया, क्योंकि जेनेरिक एआई प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा, एनवीडिया 2023 में इंटेल और सैमसंग को पछाड़कर पूरे साल के चिप राजस्व में दूसरा स्थान हासिल कर सकता है, जबकि टीएसएमसी खिताब लेने की राह पर है।

यह खबर सबसे पहले सैममोबाइल द्वारा रिपोर्ट की गई। इस साल की तीसरी तिमाही में एनवीडिया का राजस्व 18.12 बिलियन डॉलर था, 10.42 बिलियन डॉलर के लाभ के साथ, 206 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि, डेटा केंद्रों के लिए एआई चिप्स के साथ अधिकांश लाभ हुआ। इसकी तुलना में, दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी

ने 17.28 अरब डॉलर का राजस्व और 7.21 अरब डॉलर का मुनाफा कमाया। 2023 की तीसरी तिमाही में इंटेल का राजस्व 14.16 बिलियन डॉलर था, लेकिन उसे 8 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। सैमसंग सेमीकंडक्टर, सैमसंग की चिप डिजाइनिंग और विनिर्माण शाखा का राजस्व 12.52 बिलियन डॉलर था लेकिन घाटा 2.86 बिलियन डॉलर था।

चीन अधिक देशों को डिजिटल व्यापार के लाभांश साझा करने में मदद करता है : यूएन अधिकारी

बीजिंग।

संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून आयोग की महासचिव अन्ना जौबिन-ब्रेट ने हाल ही में कहा कि चीन वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए बहुपक्षीय प्रणाली की स्थापना और रखरखाव में सक्रिय रूप से भाग लेता है, जिससे अधिकांश देशों को डिजिटल व्यापार के लाभांश को साझा करने की अनुमति मिलती है। उन्होंने दूसरे वैश्विक डिजिटल व्यापार एक्सपो के दौरान चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ को दिए एक लिखित साक्षात्कार में यह बात कही है। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों में से एक के रूप में, संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून आयोग ने इस एक्सपो में उपस्थित होने के लिए एक विशेष बूथ स्थापित किया है। जौबिन-ब्रेट ने कहा कि डिजिटल व्यापार अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसका महत्व बढ़ेगा।

डिजिटल व्यापार के भविष्य के विकास के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि चीन 'एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सीमा-पार कागज रहित व्यापार की सुविधा पर रूपरेखा समझौते,''क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' और 'डिजिटल अर्थव्यवस्था साझेदारी समझौते' में सक्रिय रूप से भाग लेता है। ये समझौते अधिक भाग लेने वाले देशों को डिजिटल व्यापार विकास के फल साझा करने में मदद करते हैं। जौबिन-ब्रेट का मानना है कि चीन व्यापार में बड़े पैमाने पर बिग डेटा, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी और क्रॉस-इंडस्ट्री ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे डिजिटल तकनीकों का उपयोग करता है।

'बेल्ट एंड रोड' पहल के तकनीकी स्तर पर, चीन ने 'सिल्क रोड ई-कॉमर्स' प्लेटफॉर्म बनाया है और 'डिजिटल सिल्क रोड' के निर्माण को बढ़ावा देता है, चीन ने डिजिटल व्यापार के क्षेत्र में कनेक्टिविटी को मजबूत करने में सकारात्मक योगदान दिया है। बता दें कि दूसरा वैश्विक डिजिटल व्यापार एक्सपो 23 से 27 नवंबर तक पूर्वी चीन के चच्यांग प्रांत की राजधानी हांगचो में आयोजित हुआ, मौजूदा एक्सपो में 800 से अधिक डिजिटल व्यापार कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें दुनिया की शीर्ष 500 कंपनियों में से 50 से अधिक शामिल हैं। एक्सपो के दौरान, 100 से अधिक 'डिजिटल नए उत्पाद' पहली बार लॉन्च किया गया।

इंडिगो ने पूछताछ, टिकट बुकिंग के लिए जपीटी-4 तकनीक के साथ एआई चैटबॉट पेश किया

नई दिल्ली। इंडिगो ने जीपीटी-4 तकनीक द्वारा संचालित एक एआई चैटबॉट, 6ईस्काई लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य 10 अलग-अलग भाषाओं में यात्रियों के प्रश्नों के जवाब देना और संपूर्ण नेटवर्क पर देश भर में टिकट बुकिंग के लिए अपनी तरह का पहला प्लेटफॉर्म पेश करना है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट के निकट सहयोग से इंडिगो की डिजिटल टीम द्वारा पूरी तरह से इन-हाउस विकसित, एआई चैटबॉट एयरलाइन के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस सफलता के साथ, इंडिगो यात्रियों के अनुभव को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक एआई तकनीक का उपयोग करने वाली क्षेत्र की पहली कुछ एयरलाइनों में से एक बन गई है। प्रवक्ता ने कहा, सॉफ्ट लॉन्च के शुरुआती नतीजों से ग्राहक सेवा एजेंट के कार्यभार में उल्लेखनीय 75 प्रतिशत की कमी का संकेत मिलता है, जो बॉट की दक्षता और प्रभावशीलता को दर्शाता है। प्रवक्ता ने कहा, एआई बॉट प्रभावशाली 1.7 लाख करोड़ मापदंडों का दावा करता है, जो इसे आम तौर पर पूछे जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का आसानी से उत्तर देने की अनुमति देता है। इंडिगो के डेटा वैज्ञानिकों की टीम ने जेनरेटिव प्रीट्रेंड ट्रांसफार्मर (जीपीटी) पर गहन शोध किया है और व्यापक प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग का उपयोग करके बॉट को प्रोग्राम किया है। यह मानव व्यवहार की नकल करता है, भावनाओं पर प्रतिक्रिया देता है और यहां तक कि बातचीत में हास्य शामिल कर अपने यात्रियों के लिए अधिक आकर्षक और मनोरंजक अनुभव सुनिश्चित करता है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि 6ईस्काई कई प्रकार के कार्य करने में सक्षम है, जिसमें टिकट बुक करना, प्रमोशनल छूट लागू करना, ऐडऑन बुक करना, वेब चेक-इन करना, सीट चयन में मदद करना, यात्रा की योजना बनाना, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर देना और ग्राहकों को एक एजेंट के साथ जोड़ना शामिल है। इसके अलावा, बॉट न केवल लिखित या टाइप की गई भाषा को समझने में सक्षम है, बल्कि स्पीच-टू-टेक्स्ट मॉडल का उपयोग करके मौखिक निर्देशों को भी समझने में सक्षम है। इंडिगो के इफ्लाई विभाग और कस्टमर एक्सपीरियंस की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सुम्मी शर्मा ने कहा, ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए हमारी चल रही प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में हम अपने एआई-संचालित चैट असिस्टेंट 6ईस्काई को पेश करते हुए रोमांचित हैं।

अगस्त से भारत के मिडकैप शेयरों में पैसे नहीं डाल रहे हैं एफआईआई

नई दिल्ली।

विदेशियों के भारत के मिडकैप फंडों में निवेश 13 सितंबर को समाप्त सप्ताह में चरम पर था। एलारा सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पिछले दो महीनों से मिडकैप में कोई खास निवेश नहीं किया है। सभी निवेश लार्ज कैप फंडों में जा रहे हैं। मिड और स्मॉलकैप निवेश सपाट हैं। हालांकि, घरेलू स्मॉल कैप निवेश के चलते मिड/स्मॉल कैप मजबूत प्रदर्शन कर रहे हैं। मिडकैप फंडों के लार्जकैप से बेहतर प्रदर्शन करने के बावजूद, हमने देखा है कि एफआईआई उस क्षेत्र में निवेश नहीं कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि, चूंकि प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है, इसलिए हमें कोई आउटफ्लो दबाव भी नहीं दिख रहा है। भारत के कुल मार्केट कैप में निफ्टी के मार्केट कैप का अनुपात अक्टूबर 2020 से नीचे गिर रहा है और ऐतिहासिक निचले स्तर पर आ गया है। ऐसी कम रीडिंग पहले जनवरी 2004, सितंबर 2007, नवंबर 2010 और जनवरी 2018 में देखी गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर बार, निचले स्तर से इस अनुपात में विस्तार के साथ बाजार में सुधार हुआ। निचले स्तर से उलटफेर के चरण में, निफ्टी में सुधार पूरे बाजारों की तुलना में छोटा है। मौजूदा चक्र में, हमने इस अनुपात को सितंबर 2022 में निचले स्तर पर पहुंचते देखा (जहां हमने स्मॉल कैप सुधार का एक मजबूत दौर देखा)।

हालांकि घरेलू छोटे निवेश में मजबूत पुनरुद्धार ने अप्रैल 2023

के बाद से अनुपात को फिर से नीचे खींच लिया। जैसे ही अनुपात अगस्त 2023 के निचले स्तर पर पहुंचा, हमने देखा कि भारत के मिडकैप फंडों में एफआईआई का प्रवाह रुक गया है। तब से, सभी एफआईआई तरलता लार्ज कैप में जा रही है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के खिलाफ टी20 में हार झेल रही ऑस्ट्रेलिया को मिला कोच का साथ

तिरुवनंतपुरम। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक मुख्य कोच आंद्रे बोरोवेक ने रविवार को दूसरे टी20 मैच में भारत से 44 रन से हार के बावजूद गेंदबाजी और बल्लेबाजी समूहों द्वारा दिखाए गए इरादे की सराहना की। बोरोवेक ने मैच के बाद बताया कि उनकी टीम ने सही फैसले लिए, लेकिन उसका सही समय पर पालन नहीं किया।यशस्वी जयसवाल, ईशान किशन और ऋतुराज गायकवाड़ के अर्धशतकों के बाद भारत ने ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में 235/4 का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने पहले दस ओवरों में अपने चार विकेट खो दिए। मार्कस स्टोइनिस और टिम डेविड ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 38 गेंदों पर 81 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया के लिए मोर्चा संभाले रखा। लेकिन, इन दोनों के आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया मैच में काफी पीछे रह गई और 191 रन ही जोड़ पाई। भारत ने दूसार मैच 44 रन से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई। अगला मैच मंगलवार को गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

इटली ने 47 साल में पहली बार डेविस कप जीता

मैड्रिड।

इटली ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया पर 2-0 की जीत की बदौलत 1976 के बाद पहली बार डेविस कप जीता। नोवाक जोकोविच के पास सर्बिया को डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचाने के तीन मौके थे, लेकिन वह चूक गए। शानदार वापसी कर इटली ने खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। फिर, माटेओ अर्नाल्डी ने एक बार फिर देश का दृढ़ संकल्प दिखाया। उन्होंने स्पेन के शहर मलागा में आयोजित फाइनल में 7-5, 2-6, 6-4 से एलेक्सी पोपिरिन पर रोमांचक जीत दर्ज की। उन्होंने यह जीत अपनी गर्लफ्रेंड के हाल ही में दिवंगत हुए पिता को समर्पित करते हुए कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण मैचों में से एक था। मुझे नहीं पता कि क्या कहूं। माटेओ अर्नाल्डी की जीत ने जैनिक सिनर को एलेक्स डी मिनौर पर 6-3, 6-0 की शानदार जीत के साथ जीत हासिल करने के लिए तैयार किया, एक ऐसे प्रदर्शन के साथ जिसने ऑस्ट्रेलियाई को निर्णायक युगल मैच में ले जाने के लिए बहुत कम विकल्प दिए। सिनर ने कहा, यह हम सभी के लिए एक अविश्वसनीय एहसास रहा है, जाहिर है हम वास्तव में खुश हैं।

भारत का बेस्ट फिनिशर बनने के लिए तैयार हैं रिंकू सिंह

तिरुवनंतपुरम।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में रिंकू सिंह धूम मचा रहे हैं। पहले मैच में 14 गेंदों में नाबाद 22 रन बनाकर भारत की सफल जीत के आखिरी क्षणों में अहम भूमिका निभाने के बाद, रिंकू सिंह एक बार फिर नौ गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाकर स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में सफल रहे। इसमें 19वें ओवर में सीन एबॉट पर लगाए गए तीन चौके और दो छक्के शामिल हैं। आईपीएल 2023 में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से लाइमलाइट में आने वाले रिंकू सिंह आज टीम इंडिया के बेस्ट फिनिशर बन चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरज में वो अपनी फिनिशिंग टच से फैंस का दिल जीत रहे हैं। सीरीज के पहले मैच में चेज करते हुए उन्होंने अंतिम ओवरों में टीम की जीत पक्की की। फिर, दूसरे मैच में अंतिम ओवरों में तूफानी पारी खेलकर टीम को एक विशाल स्कोर तक पहुंचटा दिया। उनकी पारी ने सुनिश्चित किया कि भारत को 235/4 का स्कोर मिले, जो रविवार रात ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया पर 44 रन से जीत दिलाने के लिए पर्याप्त था। रिंकू ने फिनिशर के रूप में अपनी सफलता का श्रेय शांति और अपने बल्लेबाजी स्थान के प्रति सचेत रहने को दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, मैं इस नंबर पर काफी बल्लेबाजी करता हूं। इसलिए, मैं इस स्थिति को जानकर निश्चिंत हूं। मैं प्रत्येक गेंद को उस स्थान के अनुसार खेलना पसंद करता हूं जहां वह गिरती है। मैं यह देखने की कोशिश करता हूं कि यह धीमी गेंद है या तेज और मैं उसी के अनुसार प्रतिक्रिया देता हूं।

शीतल देवी ने एपीसी सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट का पुरस्कार जीता

रियाद।

हांगझोऊ 2022 एशियाई पैरा गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता उज्बेकिस्तान की असिला मिर्जायोरोवा और चीन के ऐतिहासिक पहले क्रॉस-कंट्री स्कीइंग स्वर्ण पदक के विजेता पेंग झेंग को एशियाई पुरस्कारों के चौथे संस्करण में सर्वश्रेष्ठ महिला और सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट घोषित किया गया। भारत की शीतल देवी, जो आर्मलेस आर्चर के नाम से लोकप्रिय हैं, वह हांगझोऊ में अपने प्रदर्शन के बाद वह सुर्खियों में हैं।

अब उन्हें सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट चुना गया। छह श्रेणियों में पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की गई। सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट, सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट, सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट, सर्वश्रेष्ठ टीम प्रदर्शन, सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफी और अनुकरणीय एशियाई अधिकारी। शीतल देवी ने कहा, मैं यह पुरस्कार पाकर बहुत खुश हूं। एशिया में सर्वश्रेष्ठ नामित होना एक बड़ा सम्मान है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने देश के लिए और अधिक पदक जीतना जारी रखूंगी। मैं पैरालिंपिक में भारत के लिए पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं।

गुजरात टाइटंस के नए कप्तान बने शुभमन गिल

नई दिल्ली। आईपीएल 2022 विजेता गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2024 सीजन से पहले शुभमन गिल को टीम का कप्तान बनाया है। दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज गिल ने हार्दिक पांड्या की जगह ली है, जिन्हें मुंबई इंडियंस में ट्रेड किया गया है। आईपीएल 2024 में गुजरात की कप्तानी करना सीनियर पुरुष क्रिकेट में कप्तान के रूप में गिल का पहला कार्य होगा। गिल ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, मुझे गुजरात टाइटंस की कप्तानी संभालने पर खुशी और गर्व है। टीम ने मुझ पर भरोसा दिखाया जिसके लिए मैं फ्रेंचाइजी को धन्यवाद देता हूं। हमारे पिछले दोनों सीजन शानदार रहे और मैं टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूं। जीटी के साथ अपने पहले सीज़न में गिल ने 16 मैचों में 34.50 के औसत और 132.33 के स्ट्राइक-रेट से 483 रन बनाए, जिसमें चार अर्धशतक शामिल थे। गिल आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। गिल ने 17 मैचों में 59.33 की औसत और 157.80 के स्ट्राइक-रेट से 890 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और चार अर्द्धशतक शामिल थे। जीटी के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा, शुभमन गिल ने पिछले दो वर्षों में खेल के उच्चतम स्तर पर कद और स्थिति में वृद्धि दिखाई है। हमने उन्हें न केवल एक बल्लेबाज के रूप में बल्कि क्रिकेट में एक लीडर के रूप में भी परिपक्व होते देखा है। मैदान पर उनके योगदान ने गुजरात टाइटन्स को एक मजबूत ताकत के रूप में उभरने में मदद की है। जिसने 2022 में एक सफल अभियान और 2023 में एक मजबूत प्रदर्शन के माध्यम से टीम का मार्गदर्शन किया है। उनकी परिपक्वता और कौशल उनके ऑन-फील्ड प्रदर्शन में स्पष्ट है। शुभमन जैसे युवा कप्तान के साथ एक नई यात्रा शुरू करें के लिए हम बेहद उत्साहित हैं।

7वीं राष्ट्रीय मक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन सचिन और सागर चमके

नई दिल्ली :

राष्ट्रमंडल खेल 2022 के रजत पदक विजेता सागर (92+किग्रा) और 2021 विश्व युवा स्वर्ण पदक विजेता सचिन (57 किग्रा) ने रविवार को शिलांग में 7वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन शानदार जीत हासिल की। एसएससीबी के लिए खेलते हुए सचिन पहले राउंड से ही शानदार प्रदर्शन कर रहे थे। उनके लगातार आक्रमण और शक्तिशाली मुक्के पंजाब के विशाल कुमार के लिए बहुत मजबूत साबित हुए।सचिन ने आसानी से 5-0 की जीत के साथ मुकाबला समाप्त किया। अब मंगलवार को राउंड 16 के मुकाबले में उनका मुकाबला राजस्थान के रोशन सैनी से होगा। दूसरी ओर, आरएसपीबी (रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड) का प्रतिनिधित्व करने वाले सागर को कड़ी मेहनत नहीं करनी पड़ी। लेकिन, शुभम सिंह के खिलाफ उन्हें जीत मिली। मंगलवार को राउंड-16 के मुकाबले में सागर की भिड़ंत एसएससीबी के सतीश कुमार से होगा। एसएससीबी के मौजूदा विश्व युवा चैंपियन वंशज (63.5 किग्रा) ने भी ऑल इंडिया पुलिस (एआईपी) के आशीष के खिलाफ दबदबे भरे अंदाज में शुरुआत की।उन्होंने अपनी उत्कृष्ट तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन किया क्योंकि उच्च श्रेणी के युवा खिलाड़ी ने अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया

और मैच को 5-0 से जीत लिया। वंशज मंगलवार को राउंड-16 के मुकाबले में उत्तर प्रदेश के रतनदीप शर्मा से भिड़ेंगे।तीन बार के राष्ट्रीय चैंपियन वरिंदर सिंह (60 किग्रा) जो आरएसपीबी (रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वे भी महाराष्ट्र के विशाल नुपे पर 5-0 की जीत के साथ 16वें राउंड में पहुंच गए।राउंड 16 के मुकाबले में वरिंदर का मुकाबला मंगलवार को राजस्थान के लोकेश खिची से होगा। चैंपियनशिप में 13 भार वर्गों में कुल 350 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

टी20 विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं रिंकू सिंह

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने कहा है कि वे टी20 में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले टी20 मैच में सूर्यकुमार यादव का विकेट गिरते ही जब टीम इंडिया के लिए जीत मुश्किल लग रही थी तब रिंकू सिंह ने संयम का परिचय दिया और धीरे धीरे स्कोर आगे बढ़ाते हुए टीम को 2 विकेट से जीत दिला दी। रिंकू ने चार चौकों की मदद से 22 रन बनाए जिसके कारण वह काफी सराहे गए। फैंस ने कहा कि वह टीम इंडिया के नए फिनिशर हो सकते हैं। बता दें कि अलीगढ़ के रहने वाले रिंकू ने अभी तक 6 टी20 मुकाबलों में देश का प्रतिनिधित्व किया है और 97.00 की औसत और 194 की आश्चर्यजनक स्ट्राइक रेट से 97 रन बनाए हैं। उन्होंने भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज के दौरान कहा कि मैं तैयार हूँ। मैं भविष्य के मैचों के बारे में नहीं सोचता। अगर मुझे मौका मिला तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। चाहे खेल का कोई भी प्रारूप हो, मैं अपना सौ प्रतिशत दूंगा। रिंकू सिंह ने कहा कि वैश्विक टूर्नामेंट में खेलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी। मैं टीम इंडिया और इंडियन प्रीमियर लीग के लिए खेलने वाला अलीगढ़ का एकमात्र क्रिकेटर हूं। विश्व कप टीम का हिस्सा बनना मेरा सपना है। रिंकू ने कहा कि मुझे नहीं पता कि अगर मेरा नाम विश्व कप टीम में आएगा तो मैं कैसे प्रतिक्रिया दूंगा। मैं उस दिन का इंतजार करूंगा और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं।

अक्षर और बिश्नोई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : प्रसिद्ध कृष्णा

तिरुवनंतपुरम। भारत के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई की स्पिन-गेंदबाजी जोड़ी की प्रशंसा की, जिन्होंने 44 रनों की जीत के दौरान अपने महत्वपूर्ण विकेटों से टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टी-20 मुकाबला तिरुवनन्तपुरम में खेला गया, जिसमें भारतीय टीम ने 236 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में कंगारू टीम 191 रन ही बना सकी। भारत की ओर से तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और स्पिनर रवि बिश्नोई मैच में छाए रहे। दोनों को 3-3 विकेट भी मिले। जबकि, अक्षर, अर्शदीप और मुकेश कुमार ने 1-1 विकेट लिया। प्रसिद्ध ने मैच के बाद कहा, अक्षर और बिश्नोई ने जिस तरह से ओस पड़ने के बावजूद गेंदबाजी की वो शानदार था। उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि भारत विशाखापत्तनम में टी-20 सीरीज के शुरुआती मैच से ही ओस से निपटने की योजना बना रहा था। इसका प्रभाव तिरुवनंतपुरम में शुरू हुआ जब मुकेश कुमार आठवां ओवर फेंक रहे थे। प्रसिद्ध ने कहा, हम विजाग में भी ओस से निपटने की योजना बना रहे थे। लेकिन, सौभाग्य से हमें ऐसा नहीं करना पड़ा। हम जानते थे कि ओस एक बड़ी भूमिका निभाएगी। यह वास्तव में गीला था, यहां तक कि आठवें ओवर में जब मुकेश गेंदबाजी कर रहे थे, उन्होंने मुझे बताया कि बहुत अधिक ओस थी। यह भारत में खेलने की चुनौती का हिस्सा है। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में हमें इससे निपटना सीखना होगा।

जो रूट टी20 लीग में नहीं खेलेंगे, राजस्थान रायल्स को दिया झटका

नई दिल्ली।

आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स को तब बड़ा झटका लगा है जब जो रूट ने टी20 लीग में नहीं खेलने का फैसला` किया। बता दें ` कि इस समय टी20 लीग मैचों की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। रे विवार 26 नवंबर तक सभी 10 टीमों को रीटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों के नाम का ऐलान होना है। इससे पहले बड़ी खबर है` कि इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट ने आईपीएल 2024 से हटने का फैसला किया है। यह फ्रेंचाइजी और कप्तान संजू सैमसन के लिए भी बड़ा झटका है। बता दें` कि रूट ने आईपीएल 2023 से टी20 लीग में डेब्यू किया था। वे 2019 में वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली इंग्लैंड की टीम में शामिल थे। इससे पहले इंग्लैंड के ही दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स वर्कलोड और फिटनेस का हवाला देते हुए इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन से हट चुके हैं। स्टोक्स डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल थे। राजस्थान रॉयज्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट कुमार संगकारा ने बताया, हमारी रिटेंशन बातचीत के दौरान जो रूट ने आईपीएल 2024 में हिस्सा नहीं लेने के अपने फैसले के बारे में हमें जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि रूट जैसे अनुभवी खिलाड़ी फ्रेंचाइजी और खिलड़ियों में सकारात्मक प्रभाव डालने में सक्षम थे। हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं। गौरतलब है ` कि पिछले सीजन में रॉयल्स ने रूट को 1 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया था। उन्हें 3 ही मैच में खेलने का मौका था और एक मैच में बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 10 रन बनाए थे। 32 साल के जो रूट इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने 32 टी20 इंटरनेशनल के मुकाबलो में 5 अर्धशतक के सहारे 893 रन बनाए हैं। नाबाद 90 रन बेस्ट प्रदर्शन है। बतौर ऑफ स्पिनर 6 विकेट भी लिए हैं।

रूट के ओवरऑल टी20 करियर की बात करें, तो उन्होंने 87 पारियों में 32 की औसत से 2235 रन बनाए हैं। 14 अर्धशतक लगाया है। नाबाद 92 रन बेस्ट प्रदर्शन है जबकि स्ट्राइक रेट 128 का है।

राजस्थान रॉयल्स को भारी पड़ रही लखनऊ से डील, प्लेयर्स की हुई अदला-बदली

नई दिल्ली। आईपीएल-2024 से पहले राजस्थान रॉयल्स की लखनऊ से डील भारी गई है। दोनों टीमों ने गेंदबाज और बल्लेबाज के बीच फेरबदल किया है। राजस्थान रॉयल्स ने तेज गेंदबाज आवेश खान के बदले लखनऊ को देवदत्त पडिक्कल जैसा घातक बल्लेबाज दे दिया, जो अब घरेलू क्रिकेट में शतकीय अंदाज बिखरेता नजर आ रहा है। 2020 और 2021 सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की तरफ से खेलते हुए अपना लोहा मनवाने वाले देवदत्त पडक्कल 2022 और 2023 में राजस्थान की टीम की तरफ से खेलते हुए ज्यादा कारगर साबित नहीं हुए। आईपीएल 2023 में पडिक्कल ने 11 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 2 अर्धशतकों की बदौलत 261 रन ठोके। लेकिन अब जब राजस्थान ने उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स को सौंप दिया है तो उन्होंने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक की तरफ से खेलते हुए उत्तराखंड के खिलाफ शानदार शतकीय पारी खेली है। इस बीच उत्तराखंड के खिलाफ पहले बैटिंग करने उतरी कर्नाटक की टीम ने अपने सलामी बल्लेबाजों को जल्दी खो दिया। जिसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने पारी को संभाला और अंत तक डटे रहे। उन्होंने 122 गेंद में 13 चौकों और 5 छक्कों की बदौलत 117 रन की शानदार पारी खेली। इसके अलावा निकिन जोस ने 72 और मनीष पांडे ने 56 रन की शानदार पारी को अंजाम दिया। इन पारियों की बदौलत कर्नाटक की टीम 285 रन के स्कोर तक पहुंच गई। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने पडिक्कल के स्थान पर तेज गेंदबाज आवेश खान को अपने खेमें में शामिल किया है। आवेश मौजूदा समय में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टी20 सीरीज का हिस्सा बन गए हैं।

विश्व कप के दौरान बाहर बैठना बुरा लगा: ईशान

तिरुवनंतपुरम। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार अर्धशतक बनाने के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन वर्ल्ड कप 2023 के दौरान प्लेइंग-11 से बाहर होने पर थोड़ा बुरा महसूस करने के बाद वह अपने अवसरों का ज्याद से ज्यादा लाभ उठा रहे हैं।एक बार जब शुभमन गिल डेंगू से उबर गए, तो ईशान किशन को विश्व कप के दो मैच खेलने के बाद प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया गया। टूर्नामेंट में भारत का दमदार प्रदर्शन रहा लेकिन फाइनल में टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार मिली।विशाखापत्तनम में टी20 श्रृंखला के शुरुआती मैच में 39 गेंदों में 58 रन बनाने के बाद, किशन ने तिरुवनंतपुरम में दूसरे मैच में 32 गेंदों में 52 रन बनाए।मैच खत्म होने के बाद ईशान ने जियो सिनेमा से कहा, मुझे लगता है कि यह सब भूख है। विश्व कप में हम एक चैंपियन टीम की तरह खेले और मैं चूक गया। मुझे थोड़ा बुरा लग रहा था, लेकिन आप इसमें कुछ नहीं कर सकते। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसा समय आएगा जब आप नहीं खेल रहे होंगे, लेकिन आपको दिमाग में तरोताजा रहना होगा और समय आने पर प्रदर्शन करना होगा।

केकेआर की टीम शार्दुल ठाकुर को करेगी रिलीज, शॉ की वापसी के कयास

नई दिल्ली ।

दो बार की पूर्व चैंपियन टीम कोलकाता नाइट राइडर्स अब इस सीजन के लिए ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को रिलीज कर सकती है। पिछले ही सीजन में शार्दुल केकेआर से जुड़े थे। हालांकि उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की टीम ओपनर बैटर पृथ्वी शॉ को रीटेन कर सकती है। शॉ अभी चोट से उबर रहे हैं। पिछले सीजन में उनका प्रदर्शन औसत रहा था। बता दें कि आईपीएल 2024 के लिए रीटेन होने वाले खिलाड़ियों की आज लिस्ट जारी होनी है। 26 नवंबर तक सभी 10 टीमों को बीसीसीआई को इस संबंध में जानकारी देनी है। मीडिया में आई खबर के अनुसार, शार्दुल ठाकुर से केकेआर नाता तोड़ सकती है। शार्दुल ठाकुर की बात करें, तो 2018 से 2021 तक वे चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे। इसके बाद वे दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े थे। 2023 में वे केकेआर का हिस्सा बने। पिछले सीजन में शार्दुल ने 11 पारियों में 113 रन बनाए। बतौर तेज गेंदबाज शार्दुल केकेआर की ओर से सिर्फ 7 ही विकेट ले सके थे। टीम ने उन्हें 10.75 करोड़ रुपये में शामिल किया था। सीएसके की ओर से 2 बार खिताब जीत चुके शार्दुल केकेआर को कुछ खास सफलता नहीं दिला सके। आईपीएल 2023 में केकेआर की टीम 14 में से सिर्फ 6 ही मैच जीत सकी थी। हालांकि उस समय टीम पॉइंट टेबल में 7वें नंबर पर रही थी। केकेआर ने 2012 और 2014 में आईपीएल का खिताब जीता था। यानी 10 साल से टीम को टाइटल का इंतजार है। केकेआर के पूर्व कप्तान गौतम गंभीर एक बार फिर टीम से बतौर मेंटॉर जुड़ गए हैं। इससे पहले वे लखनऊ का हिस्सा थे। वहीं पृथ्वी शॉ की बात करें, तो वे अभी घुटने की चोट से उबर रहे हैं। काउंटी के दौरान उन्हें यह चोट लगी थी। पिछले सीजन में वे बल्ले से कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके थे। पृथ्वी ने 8 पारियों में 106 रन ही बना सके थे। एक ही अर्धशतक वे लगा सके थे। पृथ्वी शॉ चोट के चलते टी20 मुश्ताक अली ट्रॉफी और लिस्ट-ए टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में भी नहीं उतर सके।

मुकेश कुमार को अश्विन ने बताया जूनियर शमी

नई दिल्ली । टीम इंडिया के अनुभवी स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की प्रशंसा करते हुए उन्हें जूनियर शमी बताया है। अश्विन ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि जब वह पहली बार मोहम्मद सिराज से मिले थे तो उन्होंने सोचा था कि मोहम्मद शमी का जूनियर बनेगा। हालांकि मुकेश कुमार से मिलने के बाद अश्विन का मन बदल गया और अब उन्हें लगा कि आने वाले समय में मुंकेश कुमार एकदिवसीय विश्व कप 2023 में सबसे अधिक टिकट लेने वालों में युवा संस्करण हो सकता है। अश्विन ने कहा कि मुकेश की बनावट, ऊंचाई और कलाई की स्थिति 33 वर्षीय मोहम्मद शमी के समान है। अश्विन आगे मुकेश की सराहना करते हैं और कहते हैं कि उनके पास कलाई की शानदार व्हिप और गेंद पर शानदार बैकस्पिन है। उन्होंने कहा, मैंने शुरू में सोचा था कि मोहम्मद सिराज जूनियर शमी बनेंगे, लेकिन अब मुझे लगता है कि यह मुकेश कुमार हो सकते हैं। अश्विन आगे कहते है कि मुकेश की भी कुछ ऐसी ही है बनावट, समान ऊंचाई, और उत्कृष्ट कलाई की स्थिति - उसके पास कलाई का शानदार व्हिप और गेंद पर शानदार बैकस्पिन है। उसके पास बहुत अच्छा सीधा और अच्छा संरेखण है। अश्विन ने उस समय को भी याद किया जब वकार यूनिस ने उनकी दो गेंदों को देखकर करियर बदल दिया था। उन दो गेंदों ने उसकी जिंदगी बदल दी और वह अब भारत के लिए गेंदबाजी कर रहा है। मुकेश ने 20 जुलाई 2023 को भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया जिसके बाद उन्होंने भारत के लिए 10 मैचों में भाग लिया और 9 विकेट हासिल किए। 30 वर्षीय खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में शामिल किया गया है। सीरीज के पहले मैच में मुकेश कोई विकेट लेने में नाकाम रहे लेकिन केवल 29 रन दिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक लड़की का सच्चा दोस्त और हमराज कौन हो सकता है? अगर जवाब 'ब्वायफ्रेंड' या 'पति' है तो दिमाग पर फिर जोर डालिए- आपको आपके नजरिए से वह देख सकता है क्या? अपनी पर्सनल फीलिंग्स को बताने के लिए आप सबसे पहले किसे फोन करती हैं? अपनी किसी खास सहेली को और उससे बात करके ही आप हल्की होती हैं।

दोस्त हों तो हंसती रहे जिंदगी

जरा थोड़ी देर अपना दिमाग दौड़ाइए और गौर कीजिए कि किसे आपका बर्थडे हमेशा याद रहता है? किसने आपके साथ शॉपिंग करने का भरपूर लुत्फ उठाया और किसने आपके ऑफिस में चल रही सारी पॉलिटिक्स को सुनने, समझने और उसका सही हल देने में आपकी मदद की है? थोड़ी देर सोचने के बाद आपका दिलो-दिमाग कह उठेगा कि आपकी बहुत सारी दोस्तों ने यह सब किया। जी हां, हम सभी की जिंदगी में कुछ ऐसी दोस्त होती हैं, जो हमारे अलग-अलग मूड और सिचुएशन पर फिट बैठती हैं और उनके साथ होने से ही हमारी मुश्किल पल भर में छूमंतर हो जाती है। आइए जानें, अपनी जिंदगी की इन खास सहेलियों के बारे में -

हमराज सहेली...

अपनी इस दोस्त से आप हर बात बिना झिझके शेयर कर सकती हैं। बात चाहे कितनी भी प्राइवेसी की हो, इस सहेली से आप एक बार में कह सकती हैं। आपकी इस दोस्त को आपके सारे राज पता हैं। आपको भरोसा है कि यह कभी भी आपके विश्वास को दगा नहीं देगी। बस, जब भी मन में कोई राज हिलोरें मारे तो झट से अपनी इस हमराज को कह डालिए।

शॉपिंग पार्टनर भी तो है...

आपकी यह दोस्त ऐसी है कि जो ऐन मौके पर आपकी शॉपिंग की जरूरत को समझते हुए आपका साथ निभाती है। नए आउटफिट खरीदने से लेकर पार्लर में नया लुक पाने तक आपकी यह दोस्त कंपनी देने के लिए हमेशा तैयार खड़ी मिलेगी। यह आपको ब्रांडेड दुकानों में ले जाकर खड़ा नहीं करेगी, बल्कि कई मार्केट घूमने को तैयार होगी। ट्रेंडी मार्केट में मनमाफिक आउटफिट की तलाश में दसियों शॉप खंगालने से भी पीछे नहीं हटेगी। बस, एक फोन कॉल कीजिए और आपकी यह हैंगआउट फ्रेंड शॉपिंग में आपके साथ हो लेगी।

ऑफिस की गप्पू फ्रेंड

भले ही लोग पीठ पीछे बात करने को बुरा कहें लेकिन इस काम में आपको जो मजा आता है, उसे आपकी यह दोस्त अच्छी तरह समझती है। ऑफिस के कलीग्स की पॉलिटिक्स समझानी हो या अपने किसी रिश्तेदार की बुराई, आप अपनी इस सहेली के साथ जमकर दूसरों की भलाई-बुराई कर सकती हैं।

दोस्त जो हंसा दे...

लाइफ में बाकी जरूरी कामों के अलावा एक काम और है, और वह है- जम कर मस्ती करना। आप जब भी अपनी इस दोस्त से मिलती हैं तो आपकी लाइफ खुशनुमा हो जाती है। इसकी कंपनी में आप कभी बोर फील नहीं करतीं, क्योंकि इसे लाइफ को एंज्वाय करने के सारे गुण आते हैं। उसकी बातें, छोटे-छोटे जोक्स और टिप्पणियां आपको बेवजह हंसने को मजबूर कर देती हैं। ये दोस्त आपकी ऑफिस में भी हो सकती है और पड़ोस में भी।

एक दोस्त हमेशा के लिए...

बेशक आप दोनों का मिलना बहुत दिनों बाद होता है, लेकिन जब भी आप अपनी इस फ्रेंड से मिलती हैं तो आपके रिश्तों की गर्माहट में कोई कमी नहीं आती। भले ही यह आपकी आज की जिंदगी के हर पहलू से रू-ब-रू न हो लेकिन यह आपके सपनों, आपकी महत्वाकांक्षाओं और सबसे ज्यादा आपको बेहतर ढंग से जानती है। क्या इससे ज्यादा उम्मीद आप किसी और से कर सकती हैं?

खिलौनों को मुंह में डालना, गिरना, चोट लगना बिल्कुल छोटे बच्चों में एक आम सी बात है। बच्चे में हर चीज को जानने की बेहद उत्सुकता होती है और इसी जिज्ञासा को शांत करने के लिए वे हर वस्तु को छूना और मुंह में डालना चाहते हैं। बच्चे से जुड़ी छोटी-मोटी दुर्घटना की स्थिति में सबसे पहले क्या करें, बता रही हैं

कायम रहे खिलखिलाहट

बिजली का करंट

भले ही यह बात सुनने में अजीब लगे, लेकिन बिजली के प्लग प्वाइंट से लगने वाला करंट ज्यादातर निष्प्रभावी होता है। इस तरह के करंट लगने से हाथ या उंगली थोड़ी-बहुत जल सकती है, लेकिन कोई गंभीर प्रभाव नहीं होता। अत- ऐसी कोई घटना होने पर घबराएं नहीं, बच्चे को प्राथमिक चिकित्सा दें। यदि हाथ में जलन हो तो उसको ठंडे पानी में रखें। ध्यान रहे, जल्द आराम के लिए बर्फ का इस्तेमाल न करें, ऐसा करने से त्वचा पर जख्म बन सकता है। यदि छाले पड़ जाएं तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं। डॉक्टर घाव की सफाई करके फिर त्वचा पर एंटीबायोटिक लगाकर पट्टी बांध देगा, ताकि संक्रमण न फैल सके। यदि इस तरह की किसी घटना के बाद बच्चा इतना अधिक घबरा जाए कि प्रतिक्रिया देना कम कर दे तो बच्चे को डॉक्टरी निगरानी में रखना जरूरी है।

कट जाना

जब बच्चे खेलते हैं तो छोटी-मोटी दुर्घटना होना एक आम बात है। हाथ या पैर का कटना या कहीं चोट लग जाना बढ़ते बच्चे के खेल का एक हिस्सा होता है। ऐसे में जब भी कभी बच्चे का हाथ कट जाए तो सबसे पहले किसी भी कपड़े या रूई से कटी हुई जगह को 5 से 7 मिनट के अच्छे से दबा दें, जब तक खून बहना बंद न हो जाए। जब खून बहन रुक जाए तो उस जगह को पानी और साबुन से अच्छे से धो दें और उस पर एक बैंडेज लगा दें। यदि लगातार 10 मिनट तक दबा कर रखने के बावजूद खून बहना बंद न हो तो और यदि कट आधा इंच से ज्यादा हो तो तुरंत डाक्टर के पास जाएं, क्योंकि हो सकता है कि उसमें टांके लगाने की जरूरत हो।

नकसीर बहना

हमारे नाक के भीतर त्वचा की सतह के पास रक्त कोशिकाओं का घना जाल होता है। ऐसे में ठंडी व सूखी हवा चलने से या मौसम परिवर्तन होने पर बच्चे की नाक से खून बह सकता है। जब बच्चे डरे हुए होते हैं या रोते हैं तो स्वाभाविक रूप से उनका रक्तचाप काफी तेज हो जाता है, इसलिए नाक से ज्यादा खून बह सकता है। यदि ऐसा हो तो बच्चे को प्यार से अपने पास बिठाएं और उसके सिर को पीछे की ओर करके कुछ मिनट तक रखें। यदि फिर भी खून बहता रहे, तो तुरंत कान व नाक रोग विशेषज्ञ से परामर्श करें।

खिलौना निगलना

यदि किसी छोटे खिलौने को निगलने के बाद आपका बच्चा ठीक प्रकार से सांस नहीं ले पा रहा है तो इसका मतलब है कि वस्तु पेट या फेफड़ों में चली गई है। बच्चे को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं। इस स्थिति में एंडोस्कोपी के द्वारा वस्तु को निकालना बेहद जरूरी होता है।

एलर्जिक रिएक्शन

यदि आपके बच्चे को किसी चीज से एलर्जी हो तो बाल रोग विशेषज्ञ की सलाह से एंटीहिस्टेमिन (एलर्जी कम करने वाली दवा) हमेशा पास में रखें। यदि रिएक्शन में खुजली या नाक बहने लगे तो एंटीहिस्टेमिन से उपचार संभव है। लेकिन यदि बच्चे के होंठों पर सूजन आ जाए या सांस लेने में तकलीफ होने लगे तो इस तरह के संकेत का अर्थ है कि समस्या गंभीर हो सकती है अत- बच्चे को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।

बाजू का उतर जाना

4 से 5 वर्ष की उम्र तक बच्चे की हड्डियों के जोड़ इतने ढीले होते हैं कि महज किसी वाहन से बचाने के लिए उन्हें थोड़ा जोर से खींचने पर उनकी बाजू की हड्डी जोड़ से निकल सकती है। ऐसे में बच्चों को दी जाने वाली दर्द निवारक दवा और बर्फ लगाने से बच्चे को आराम मिलता है। लेकिन डॉक्टर के पास जाना जरूरी है क्योंकि वह हड्डी को अपनी सही जगह पर ला सकते हैं।

नुकीली वस्तु से होने वाला घाव

यदि आपके बच्चे को किसी तीखी या नुकीली वस्तु से चोट आ जाए और घाव अधिक गहरा न हो, चोट सिर्फ त्वचा की सतह पर हो और कोई आंतरिक भाग प्रभावित न हुआ हो तो घबराएं नहीं। घाव को गुनगुने पानी से साफ करें और कोई एंटीबायोटिक दवा लगाकर पट्टी बांध दें। एहतियातन एक टिटनेस का इंजेक्शन लगवा दें। अगले दो-तीन दिन तक घाव को साफ करके पट्टी बदलती रहें और इन्फेक्शन न हो, इस बात का ध्यान रखें। यदि घाव के आसपास लाली आ जाए, सूजन या बच्चे को बुखार आ जाए तो डॉक्टर के पास जरूर जाएं।

खाना गले में फंस जाना

अक्सर बात करने के साथ-साथ खाना खाने से खाना गले में फंस जाता है। ऐसे में बच्चे को गोद में लिटाकर कंधों के बीच पीठ पर थपथपाएं। यदि बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हो तो डॉक्टर के पास ले जाएं।

वो खान-पान जो हमारी दादी-नानी के जमाने में प्रचलित था, जो पिछले कुछ वर्षों में खो सा गया था, अब लौटने लगा है। हमें समझ में आ ही गया कि उस दौर की चीजें कितनी वैज्ञानिक हुआ करती थीं।

लौट रहे हैं अपनी जमीं की ओर

पहले घर में महिलाएं चक्की से आटा-दाल, चावल, बेसन आदि पीसा करती थीं। यह एक बहुत मेहनत का काम था। सवेरे-सवेरे घरों में चक्की की घर्र-घर्र शुरू हो जाती थी। मगर कहते हैं कि चक्की पीसने के कारण न तो उनके कंधे जाम होते थे न ही उनको सर्वाइकल जैसी बीमारियां सताती थीं। जबकि आज बड़ी संख्या में महिलाएं इन बीमारियों से पीडित हैं। इसी तरह शादी आदि समारोहों में पत्तल, दोने, कुल्हड़ में खाने से किसी तरह के इंफेक्शन का खतरा नहीं रहता था। यही नहीं, कहते हैं कि चूल्हे पर पकी रोटी अधिक पौष्टिक होती थी। लेकिन इनका दूसरा पक्ष भी था। एक तो महिलाओं को रात-दिन खटना पड़ता था। दूसरे, चूल्हे पर एक दाल जितनी देर में पकती थी उतने समय में कुकर और गैस का इस्तेमाल करके अनेक चीजें बनाई जा सकती हैं। फिर वक्त भी बदला। पहले महिलाओं की जिम्मेदारी घर और रसोई तक ही सीमित थी मगर आज की कामकाजी स्त्री जिसके पास घर और दफ्तर की दोहरी जिम्मेदारी है, उसके पास इतना समय कहां कि वह पूरे दिन रसोई में खटती रहे। एक तरह से तकनीक ने इस कामकाजी स्त्री के जीवन को आसान बनाया, मगर इसके चलते बहुत से रोगों ने उन्हें आ घेरा। डाक्टरों और डाइटीशियंस की मानें तो महिलाओं ने जब से शारीरिक मेहनत कम की, रोगों ने उनका दामन थाम लिया। घरेलू कामों को इन दिनों फिटनेस मंत्र के रूप में भी देखा जाने लगा है। जिम जाने के मुकाबले यदि घरेलू कामों को समय दिया जाए तो आपकी कैलोरी भी बर्न होती है और घर भी आपके कंट्रोल में रहता है। लेकिन समस्या फिर वही है कि आखिर काम भी कितना और किस हद तक। कोई चीज तभी जिंदा रहती है जब वह बिके, उसकी उपयोगिता साबित हो सके। लोग छोटी चक्की भी खरीद रहे हैं, चाहे वह घर में एक शो पीस के रूप में ही दिखती है। इससे यही लगता है कि कोई चीज कभी खत्म नहीं होती। वह रूप बदलकर वापस आ जाती है। इससे ज्यादा कच्ची हल्दी,आंवला, मेथी, लहसुन, अदरक, अजवायन, जीरा, अलसी, शहद आदि का प्रचलन खाने में बढ़ गया है। मट्ठा, दलिया, पोहा, बादाम, अखरोट का चलन नाश्ते में बढ़ता जा रहा है। अनाजों में एक समय जिन अनाजों को मोटा माना जाता था, आज का मध्यवर्ग ये अनाज जैसे मक्का, बाजरा, जई, ज्वार शौक से खा रहा है। इसीलिए अब किसान नए सिरे से इन्हें उगाने लगे हैं। इनकी पैदावार बढ़ रही है। एक जमाने में इन्हें खाने से जो लोग नाक-भौं सिकोड़ते थे और सिर्फ जंक फूड पर निर्भर रहते थे वे इनकी पौष्टिकता और औषधीय उपयोगिता के कारण इन्हें अपने भोजन में शामिल कर रहे हैं।

आयुर्वेद का बढ़ता चलन

इन दिनों खुद को फिट रखने की ही नहीं, आकर्षक दिखने की भी चाहत बढ़ी है। महिलाओं के बीच घरेलू नुस्खे भी लोकप्रिय हो रहे हैं। स्किन केयर में बेसन के उबटन का प्रयोग, देसी घी की मालिश, हल्दी, मेहंदी, बेसन का फेस पैक का प्रयोग बढ़ रहा है। सूखी त्वचा के इलाज नारियल तेल और सरसों के तेल में खोजे जा रहे हैं। सरसों के तेल के बारे में तो यह कहा भी जाता है कि यह एंटी एजिंग होता है और मुंह तथा हाथ-पैरों पर इसकी मालिश से झुर्रियां नहीं पड़ती हैं। झुर्रियां दूर करने के लिए मलाई और गुलाब जल का प्रयोग भी अच्छा माना जाता है। बच्चों की मालिश के लिए भी आज भी सरसों के तेल का उपयोग किया जाता है। बालों के लिए भी आंवला, शिकाकाई के विज्ञापन फिर से दिखाई देने लगे हैं। फेस मास्क के लिए मुलतानी मिट्टी का कोई जवाब नहीं। गन्ने के सिरके को आज भी अच्छा कंडीशनर माना जाता है।

इसलिए हैं महिलाएं मल्टीटास्किंग में अव्वल

भारतीय मूल की वैज्ञानिक रागिनी वर्मा और युनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवीनिया में उनके सहकर्मियों द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक महिलाएं एक साथ ढेर सारे काम निपटाने में उस्ताद होती हैं, वहीं पुरुष एक बार में एक काम को बहुत अच्छे से पूरा करने में माहिर होते हैं। महिलाओं की याददाश्त अच्छी होती है, समूह में वो बेहतर तरीके से काम कर पाती हैं और साथ ही विभिन्न चीजों के प्रति उनकी समझ बेहतर होती है। अपने इन्हीं गुणों के कारण वे एक साथ कई काम बेहतर तरीके से कर पाती हैं। साथ ही महिला और पुरुष के मस्तिष्क की अलग-अलग संरचना भी महिलाओं के मल्टीटास्किंग होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह अध्ययन 8 से 22 वर्ष तक की उम्र के पुरुष और महिलाओं पर किया गया है।

दर्द सहने में माहिर हैं हम

पुरुष अपनी ऐसी बीमारी के बारे में भी ढिंढोरा पीटते हैं, जिन्हें महिलाएं बीमारी मानती ही नहीं हैं। एक नए अध्ययन के मुताबिक महिलाओं में दर्द सहने की क्षमता ज्यादा होती है। 2000 लोगों पर किए गए अध्ययन के मुताबिक वायरल इंफेक्शन आदि होने पर महिलाएं किसी को बताने की जगह चुपचाप परेशानी सहती हैं। वहीं, पुरुष अपनी छोटी-सी बीमारी होने पर भी उसे बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं। वहीं, शोध में शामिल 52 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि उनके पति ऐसी बीमारियों से भी परेशान हो जाते हैं, जिनसे पीडित होने पर हम उन्हें बताते भी नहीं।

संकट में फंसे चीन ने कई देशों के नागरिकों को बिना वीजा के इंट्री की अनुमति दी

बीजिंग। अकड़ दिखाने और विस्तारवादी नीति पर चलने वाले चीन की अर्थव्यवस्था बहुत बुरे दौर से गुजर रही है। कोविड के दौर में चीन अपने पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास कर रहा है, लेकिन यह अभी तक पहले जैसा नहीं हो पाया है। इसी कड़ी में चीन ने एक और बड़ा कदम उठाया है। चीन ने घोषणा कर दी कि वह व्यापार और पर्यटन के लिए अधिक लोगों को देश में आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 5 यूरोपीय देशों और मलेशिया के नागरिकों को वीजा-मुक्त प्रवेश की अनुमति देगा। इसमें फ्रांस, जर्मनी, इटली, डच और स्पेनिश और मलेशियाई नागरिकों को शामिल किया गया है। इन देशों के नागरिकों को बिना वीजा के 15 दिनों तक चीन में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। यह एक परीक्षण कार्यक्रम है और यह एक साल तक जारी रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने शुक्रवार को कहा कि अगले साल 1 दिसंबर से 30 नवंबर तक, व्यापार, पर्यटन, रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलने के लिए 15 दिनों से अधिक के लिए चीन में प्रवेश करने वाले देशों के नागरिकों को वीजा की आवश्यकता नहीं होगी। महामारी के कारण लगभग 3 सालों तक चीन का पर्यटन क्षेत्र ठप्प पड़ा रहा। इस साल की शुरुआत में प्रतिबंध हटा दिए गए, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा अभी भी महामारी से पहले की तरह नहीं हो पाई है। जापान,सिंगापुर और ब्रुनेई लोगों को भी बिना वीजा के चीन में प्रवेश करने की अनुमति थी लेकिन कोविड-19 के प्रकोप के बाद कार्यक्रम को निलंबित कर दिया गया था। जुलाई में ब्रुनेई और सिंगापुर के लिए वीजा-फ्री प्रवेश फिर से शुरू किया लेकिन जापान के लिए ऐसा नहीं किया है।हाल ही में प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वेक्षण ने 24 देशों में जाकर चीन जाने के बारे में पूछताछ की है। सभी देशों में चीन के बारे में अधिकतर नकारात्मक विचार थे। 67त्न ट्रैवलर्स ने चीन को लेकर नकारात्मक विचार रखे थे। आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने कहा कि चीन अन्य देशों के मामलों में हस्तक्षेप करता है और दूसरों के हितों को ध्यान में नहीं रखता है।

अमेरिका में तीन फिलिस्तीनी छात्रों को मारी गोली

न्यूयॉर्क। अमेरिका के वर्मोंट में एक विश्वविद्यालय परिसर के पास तीन फिलिस्तीनी छात्रों को गोली मार दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना बर्लिंगटन शहर में वर्मोंट विश्वविद्यालय के परिसर के पास शनिवार शाम को हुई। पीड़ितों की पहचान हिशाम अवतानी, किन्नान अब्देल हामिद और तहसीन अहमद के रूप में हुई। उन पर उस समय हमला किया गया, जब वे एक पारिवारिक रात्रिभोज के लिए जा रहे थे। वे अमेरिका के विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं। यूके में फ़िलिस्तीनी मिशन के प्रमुख हुसाम ज़ोमलॉट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि तीन फ़िलिस्तीनी छात्रों हिशाम अवतानी, तहसीन अली और केनान अब्दुलहामिद को रविवार की रात बर्लिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका में रास्ते में गोली मार दी गई। वे गंभीर रूप से घायल हैं। ज़ोमलॉट ने पोस्ट में कहा कि और छह सप्ताह पहले, इलिनोइस में घृणा अपराध में 6 वर्षीय फिलिस्तीनी बच्चे को 26 बार चाकू मारा गया था। फिलिस्तीनियों के खिलाफ घृणा अपराध बंद होने चाहिए। फिलिस्तीनियों को हर जगह सुरक्षा की आवश्यकता है।

भीख मांगकर करोड़पति बनी पाक युवती

-एक कार सहित मलेशिया में 2 फ्लैट्स की मालिका

इस्लामाबाद । भीख से संग्रहित राशि से पाकिस्तान की एक युवती करोड़पति लोगों में शुमार हो गई है। इस तथ्य की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में उसने बताया कि उसका नाम लाइबा है और वह मूल रूप से पाकिस्तान की निवासी है लेकिन अब मलेशिया में शिफ्ट हो गई है। दौलत के बारे में पूछे जाने पर युवती ने बताया कि उसके मालिकाने में एक कार सहित मलेशिया में 2 फ्लैट्स है जिसमें परिवार के अन्य सदस्य साथ रहते हैं। उसने बताया ?कि यह दौलत पिछले 5 वर्षों में सड़कों पर भीख मांगकर कमाई गई है। है। पोस्ट वीडियों में कुछ लोगों ने पाकिस्तान की खस्ता आर्थिक हालत पर तंज कसा है।

लेस्बोस द्वीप के पास मालवाहक पोत डूबा, एक की मौत, 12 अभी भी लापता

एथेंस। यूनान में लेस्बोस द्वीप के पास तूफान के कारण एक मालवाहक पोत डूब गया है। इस दौरान चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई, जबकि 12 लोग अभी भी लापता हैं। हालांकि एक व्यक्ति को बचा लिया गया है। तटरक्षक बल के अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कोमोरोस में पंजीकृत पोत 6,000 टन नमक लेकर मिस्र के अलेक्जेंड्रिया से इस्तांबुल जा रहा था। पोत में कुल 14 लोग सवार थे, जिसमें चार भारतीय, दो सीरियाई तथा मिस्र के आठ नागरिक शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि पोत ने रविवार सुबह सात बजे यांत्रिक खराबी की सूचना दी थी, जिसके बाद सुबह आठ बजकर 20 मिनट पर पोत ने फिर से खतरे का संकेत भेजा। हालांकि कुछ समय बाद लेस्बोस के दक्षिण-पश्चिम से लगभग साढ़े चार समुद्री मील (आठ किलोमीटर) पर यह गायब हो गया। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने बताया कि रविवार दोपहर को चालक दल के एक सदस्य के शव को निकाला गया तथा उसे लेस्बोस ले जाया गया। उन्होंने बताया कि शव द्वीप पर लाया गया है, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी है। तटरक्षक बल की एक अन्य प्रवक्ता ने बताया था कि हादसे के बाद मिस्र के एक अन्य नागरिक को बचा लिया गया है। हालांकि आठ व्यापारिक पोत, दो हेलीकॉप्टर और यूनानी नौसेना युद्ध पोत जीवित बचे लोगों की तलाश में जुटे हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा कि क्षेत्र में 80 किलोमीटर प्रति घंटे (50 मील प्रति घंटे) से अधिक की रफ्तार से उत्तर-पश्चिमी हवाएं चल रही थीं।

निज्जर की हत्या में जांच से पहले ही भारत को दोषी ठहराया गया

-भारतीय राजदूत संजय वर्मा ने कनाडा पर बोला हमला

ओटावा। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कनाडा के सबसे बड़े निजी टेलीविजन नेटवर्क 'सीटीवी न्यूज' को रविवार को बताया कि खालिस्तानी अलगाववादी-आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की मौत की जांच से पहले ही भारत को 'दोषी' ठहरा दिया गया। निज्जर की कनाडा के सरे में 18 जून को अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। कनाडा ने भारत पर निज्जर की मौत में भूमिका निभाने का आरोप लगाया है, जबकि नई दिल्ली ने इस आरोप से साफ इनकार किया है। 18 जून को निज्जर की हत्या में भारत के एजेंटों की संभावित संलिप्तता के सितंबर में कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा हो गया। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को ''बेतुका५ और 'प्रेरित'' बताकर खारिज किया है। टीवी इंटरव्यू के दौरान पत्रकार वैसी कपेलोस से बातचीत के दौरान, वर्मा ने कहा कि जांच 'समाप्त' होने से पहले ही 'सहयोग' करने के लिए कहा गया था, लेकिन वे भारत को 'पहले ही दोषी' ठहरा चुके थे। क्या आप इसे क़ानून का शासन मानते हैं?' कपेलोस ने पूछा कि भारत को कैसे दोषी ठहराया गया और कहा कि एक आरोप भी लगाया गया था। जिसके जबाब में भारतीय उच्चायुक्त ने कहा की, 'भारत को सहयोग करने के लिए कहा गया था और यदि आप सामान्य आपराधिक शब्दावली को देखें, तो जब किसी को सहयोग करने के लिए कहा जाता है तो इसका मतलब है कि आपको दोषी ठहराया जा चुका है और बेहतर होगा कि आप सहयोग करें।' वर्मा ने आगे कहा, हमने हमेशा कहा है, अगर कुछ विशेष और घटना से संबंधित है और हमें वह जानकारी दी गई है, तो हम उस पर जरूर गौर करेंगे।' कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने सितंबर में दावा किया था कि उनकी सरकार के पास इस साल जून में कनाडा की धरती पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से नई दिल्ली का संबंध होने की खुफिया जानकारी है, जिसके बाद भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंध खराब हो गए। भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा ने इस महीने की शुरुआत में कनाडाई अखबार 'द ग्लोब एंड मेल' के साथ एक साक्षात्कार में कहा था कि भारतीय अधिकारियों को कोई प्रासंगिक जानकारी नहीं दी गई है। वर्मा ने कहा, 'इस मामले में हमें जांच में सहायता के लिए कोई विशेष या प्रासंगिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।'

कंबोडिया के नोम पेन्ह में जल महोत्सव के दौरान टोनले सैप नदी में नाव दौड़ में भाग लेते नाविक। कंबोडिया का सबसे भव्य त्योहार, वार्षिक जल महोत्सव, कोरोना महामारी के कारण तीन साल के अंतराल के बाद रविवार को फिर से प्रारंभ हुआ।

यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ मार्च प्रदर्शन

लंदन। इजरायल-हमास युद्ध विराम के बीच हजारों प्रदर्शनकारियों ने रविवार को यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ मध्य लंदन में मार्च निकाला। यह रैली यहूदी समुदाय के खिलाफ घृणा अपराधों में भारी वृद्धि के बीच हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, इस मार्च में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री और कंजर्वेटिव नेता बोरिस जॉनसन समेत करीब 1,00,000 लोगों ने हिस्सा लिया । यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ ब्रिटिश भारतीय प्रवासी के सदस्य भी एकजुटता दिखाते हुए विरोध व्यक्त करने लंदन पहुंचे। कई लोग इजरायली झंडे के साथ-साथ भारतीय झंडे के साथ भी शामिल हुए और हमास द्वारा इजरायल पर 7 अक्टूबर के आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की, यह साल 2008 के मुंबई हमलों के समान है, जिसकी 15वीं बरसी भी थी। एक कलाकार और मार्च करने वालों में से एक, जिग्नेश पटेल ने कहा- हम विभिन्न राष्ट्रीयताओं के पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों के रूप में, हम यहूदी लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं, उनके द्वारा सामना की जाने वाली नफरत की निंदा करते हैं। इजरायल का समर्थन करते हैं। आत्मरक्षा के अधिकार के तहत, हम ब्रिटिश सरकार से आग्रह करते हैं कि वह हमारी सड़कों, राजनीति, शिक्षा जगत और मीडिया में व्याप्त यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करे। ब्रिटिश भारतीय प्रवासी इस चुनौतीपूर्ण समय में इजरायली और ब्रिटिश यहूदी समुदायों को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इजरायल के साथ एकजुट होकर अटूट समर्थन देने का वादा करते हैं। 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल में क्रूर आतंकी हमला किया था। 2000 से अधिक आतंकवादियों ने इजरायली सीमाओं का उल्लंघन कर तबाही मचाई जिसमें 1200 से अधिक लोगों की मौत हो गई, और 3000 घायल हो गए जब ?कि 240 लोगों को बंधक बना लिया। जवाब में, इज़राइल ने गाजा में हमास की आतंकी इकाइयों को निशाना बनाते हुए एक मजबूत जवाबी हमला किया।

सीजफायर के बीच इजरायल में सत्ता परिवर्तन के संकेत, नेतन्याहू की बढ़ी मुसीबत

तेल अवीव (एजेंसी)। सीजफायर के बीच इजरायल में सत्ता परिवर्तन के संकेत मिल रहे हैं। इससे नेतन्याहू की मुसीबत बढ़ गई है। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर को इजरायल में हमास की घुसपैठ को रोकने में हुई विफलता पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को काफी अलोचना का सामना करना पड़ रहा है। खूनी संघर्ष के बीच नेतन्याहू ने एक तो हमास के खिलाफ और दूसरा अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए सुर्खियों से खुद को बचाए रखा। 74 वर्षीय नेतन्याहू की छवि लंबे समय से एक सुरक्षाकर्मी, ईरान के प्रति सख्त और एक ऐसी सेना द्वारा समर्थित होने की रही है, जिसने यह सुनिश्चित किया कि यहूदियों को फिर कभी नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ेगा। बताया जा रहा है ?कि उनके कार्यकाल के दौरान 7 अक्टूबर की हिंसा सबसे घातक घटना साबित हुई है।

खबर मिली है कि इस बीच इजराइलियों ने नेतन्याहू के कुछ साथी कैबिनेट मंत्रियों से किनारा कर लिया है। उन पर फलिस्तीनी हमास बंदूकधारियों को गाजा से प्रवेश करने से रोकने में विफल रहने, 1,200 लोगों की हत्या करने, 240 से अधिक लोगों का अपहरण करने और देश को युद्ध में झोंकने का आरोप लगाया गया है। अलग-अलग घटनाओं में, नेतन्याहू के कम से कम तीन मंत्रियों को सार्वजनिक रूप से दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़ा। विशेषज्ञ बता रहे हैं कि नेतन्याहू को ऐसे युद्ध से फायदा होने वाला है, जो उनके 3-1/2 साल पुराने भ्रष्टाचार के मुकदमे में और देरी लाएगा।

हालांकि 4 दिन के सीजफायर द्वारा बंधकों की वापसी के माध्यम से वह अपनी प्रतिष्ठा बचाने की भी उम्मीद कर सकते हैं। पिछले कुछ हफ्तों में किए गए सर्वेक्षणों से पता चला है कि इजरायली युद्ध प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए सुरक्षा प्रतिष्ठान पर भरोसा करते हैं, लेकिन नेतन्याहू पर नहीं करते हैं। 7 अक्टूबर की विफलता उनकी विरासत है। इसके बाद इजरायल को जो भी सफलता मिलेगी उसका श्रेय उन्हें नहीं दिया जाएगा। गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि युद्ध में लगभग 14,800 फलिस्तीनी मारे गए हैं और सैकड़ों हजार लोग विस्थापित हुए हैं।

मंदिर में बवाल कर रहे खालिस्तानियों को हिंदुओं ने जमकर दौड़ाया

टोरेंटो (एजेंसी)। कनाडा में एक मंदिर के भीतर बवाल कर रहे खलिस्तानियों को हिंदू और भारतीय समुदाय के लोगों ने जमकर खदेड़ा। ताजा मामला सरी का है, जहां भारतीय-कनाडा समुदाय ने बवाल करने मंदिर पहुंचे खालिस्तानियों को करारा जवाब दिया। खबर है कि दोनों पक्षों में करीब 3 घंटों तक तनाव बना रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को काबू किया। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को लक्ष्मी नारायण मंदिर में कॉन्सुलर कैंप का आयोजन हुआ था। मंदिर से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि उस दौरान यहां एसएफजे यानी सिख्स फॉर जस्टिस की ओर से बुलाए गए प्रदर्शनकारियों ने हंगामा किया। अध्यक्ष सतीश कुमार बताते हैं, वे करीब 25 प्रदर्शनकारी थे और हम करीब 200 थे। मंदिर के बाहर सड़कों के दोनों ओर दोनों समूह के बीच विवाद चलता। तब सरी पुलिस के 20 जवानों ने हालात पर काबू पाने की कोशिश की। वहीं मंदिर परिषद के अध्यक्ष पुरुषोत्तम गोयल का कहना है, जिस तरह से उन लोगों ने हमें चेतावनी दी थी, फिर हम भी तैयार थे। उन्होंने कभी नहीं सोचा होगा कि हम उनका जवाब उन्हीं की भाषा के में देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर कॉन्सुलेट समुदाय के लिए काम करना चाहता है, तो हम किसी भी डर की परवार किए बगैर उनका स्वागत करने के लिए तैयार हैं। हम डरने वाले नहीं हैं। इसमें खास बात है कि इससे पहले ही मंदिर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया था, मंदिर पर हमला हो रहा है। आएं और इसे बचाएं। गौरतलब है कि खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की सरी शहर में ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 18 जून को हुए इस हत्याकांड के तार कनाडा सरकार ने भारत से जोड़ने की कोशिश की थी। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी संसद में आशंका जताई थी कि इस हत्या में भारत के एजेंट्स शामिल हो सकते हैं।

एआई से नहीं जाएंगी इंसानों की नौकरियां: बिल गेट्स

-माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बोले- इंसानों को काफी मदद मिलेगी

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर के बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एआई से इंसानों की नौकरियां नहीं जाएंगी बल्कि उससे इंसानों को काफी मदद मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की वजह इंसान के सप्ताह में काम करने का समय कम हो जाएगा।

बिल गेट्स ने बताया कि, 'भविष्य में ऐसा कभी नहीं हो सकता है कि टेक्नोलॉजी इंसानों की जगह ले लेगा, बल्कि इसकी मदद से इंसानों के सप्ताह में तीन दिन काम करने का चलन की शुरुआत हो सकती है।' बिल गेट्स ने एक कार्यक्रम में दौरान यह बात कही। उन्होंने यह भी संभावना जताई है कि एआई को आने वाला समाज अपना लेगा। गेट्स ने यह बताया कि इंसानों का जीवन सिर्फ नौकरी करने के लिए नहीं बना है बल्कि रचनात्मक कार्यों के लिए है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से इंसानों के सप्ताह में काम करने के घंटे में कम हो सकते हैं। ऐसा भी संभावना है कि लोगों को हफ्ते में केवल तीन दिन या उससे भी कम काम करना पड़ेज्शायद ये ही ठीक रहेगा। गेट्स ने कहा कि, 'ऐसा भविष्य आने वाला है कि जहां मशीनों की भारी जरूरत पड़ेगी, इस संभावना से इनकार नहीं कर सकते हैं। इसे इंसानों को कम काम करने की जरूरत पड़ेगी, लेकिन यह नौकरियां नहीं खाएगा। बल्कि इसे हमेशा के लिए बदल देगा। लोगों के पास अधिक समय होगा तो लोग अपने लिए और अपनों के लिए समय निकाल पाएंगे, रचनात्मक कार्य करेंगे। इन सबसे परे यह भी जरूरी है कि एआई का पॉजिटिव उपयोग हो। सरकार और समाज दोनों इसका समर्थन भी करें। मालूम हो कि बिल गेट्स शुरुआती समय से ही एआई के समर्थक रहे हैं। कार्यक्रम के दौदारन उन्होंने प्रमुखता से एआई के कई पहलुओं पर चर्चा की।

भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु करार पूरी तरह प्रभाव में नहीं आ सका है: अमेरिकी विशेषज्ञ

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु समझौता होने के 18 साल से अधिक समय बाद भी बड़ी द्विपक्षीय साझेदारी के साथ-साथ इसकी पूरी क्षमता और वादे अभी तक मूर्त रूप नहीं ले सके हैं। एक शीर्ष अमेरिकी विशेषज्ञ ने यह दावा किया है।

'टाटा चेयर फॉर स्ट्रेटेजिक अफेयर्स' और प्रतिष्ठित 'कार्नेगी एनडाऊमेंट फॉर इंटरनेशन पीस' के वरिष्ठ शोधवेत्ता एशले जे टेलिस ने कहा कि भारत ने अभी तक उन बाधाओं को दूर नहीं किया है जो अमेरिका से परमाणु रिएक्टरों की खरीद को रोकती हैं, वहीं अमेरिका दूरदर्शिता के साथ नीति पर खरा नहीं उतर सका है।

उन्होंने 'कार्नेगी एनडाऊमेंट फॉर इंटरनेशन पीस' के सोमवार को प्रकाशित मुखपत्र में लिखा कि 2005 में हुए असैन्य परमाणु समझौते को अंतत फलीभूत करने की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की महत्वाकांक्षा भारत को अमेरिकी परमाणु रिएक्टरों की बिक्री के साथ समाप्त नहीं हो सकती है।

उन्होंने कहा कि इसके बजाय, इसका लंबे समय से चली आ रहीं अमेरिकी नीतियों में संशोधन होने तक विस्तार करना चाहिए जो भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम के अस्तित्व को गहन तकनीकी सहयोग के लिए एक ऐसी बाधा बना रही हैं जिनसे पार पाना मुश्किल हो रहा है।

टेलिस ने कहा, 'जहां तक भारत की बात है तो वह परमाणु करार के लागू होने के दौरान की गईं लिखित प्रतिबद्धताओं के अनुरूप उन अवरोधों को लंबे समय से दूर नहीं कर पाया है जो अमेरिका से परमाणु रियेक्टरों की उसकी खरीद को रोक रहे हैं। जहां तक अमेरिका की बात है तो एक अलग ही तरह की चुनौती है कि वह दूरदर्शिता के साथ नीतियों पर खरा नहीं उतर रहा।' उन्होंने कहा कि बाइडन की सितंबर में हुई भारत यात्रा के बाद संयुक्त घोषणापत्र में कहा गया कि दोनों नेताओं ने परमाणु ऊर्जा में भारत-अमेरिका सहयोग को सुविधाजनक बनाने के अवसरों का विस्तार करने के लिए दोनों पक्षों की संबंधित संस्थाओं के बीच गहन विचार-विमर्श का स्वागत किया, जिसमें सहयोगात्मक रूप से अगली पीढ़ी के छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर की प्रौद्योगिकियों का विकास भी शामिल है।

अमेरिकी विशेषज्ञ ने कहा कि हालांकि वादों को पूरा करने के लिए उन समाधानों की जरूरत होगी जिनसे दोनों पक्ष अब तक दूर रहे हैं। परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की आपूर्तिकर्ता कंपनी वेस्टिंगहाउस किसी दुर्घटना की स्थिति में सीमित जवाबदेही के टिकाऊ आश्वासन की अनुपस्थिति में भारत को बिक्री को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो पा रही।

छोटे मॉड्यूलर रियेक्टर की आपूर्ति करने वाली अमेरिकी कंपनी हॉटलेक इंटरनेशनल भारत में कलपुर्जों का एक कारखाना चलाती है और देश में तथा पश्चिम एशिया में इन रियेक्टर की बिक्री की संभावनाओं को लेकर उत्सुक है, लेकिन इस बारे में बातचीत अभी शुरुआती स्तर पर है। टेलिस के मुताबिक असैन्य परमाणु करार को पूरा करने में बाइडन प्रशासन की रुचि और अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में विदेशी भागीदारी बढ़ने को लेकर भारत की दिलचस्पी को देखते हुए '(नरेन्द्र) मोदी सरकार के लिए अपनी परमाणु जवाबदेही समस्याओं को दूर करने का समय निकला जा रहा है, जो मोदी की अपनी ही पार्टी के कारण पैदा हुए अवरोधों से सामने आई थीं, जबकि उस समय वह इसका नेतृत्व नहीं कर रहे थे'।

अमानवीय हरकत: अफगान शरणार्थियों से पाकिस्तान वसूल रहा 2 लाख की फीस

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान कई बार ऐसी हरकतें करता है जिससे उसकी बेइज्जती होती है। इस बार तालिबान के सताय हुए अफगानी शरणार्थियों से 830 डॉलर निकास शुल्क पाकिस्तान वसूल रहा है। जिसके कारण पूरी दुनिया में उसकी थू थू हो रही है। कई पश्चिमी देशों के राजनयिकों और यहां तक की संयुक्त राष्ट्र ने भी तालिबान के उत्पीड़न से भागे हर अफगान शरणार्थी के शुल्क वसूली की कड़ी आलोचना की है। पूरी दुनिया ने इस फैसले को चौंकाने वाला और निराशाजनक बताया है। यह अभूतपूर्व कदम उन शरणार्थियों को निशाना बना रहा है, जो पुनर्वास योजनाओं के तहत पश्चिमी देशों को जाने के लिए पाकिस्तान छोड़ने का इंतजार कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र की दो एजेंसियों- संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी और अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने भी इस मुद्दे को उठाया है। इसे राजधानियों और मुख्यालयों में भी उठाया गया है। सभी ने यह संदेश अपने पाकिस्तानी संपर्कों तक भी पहुंचा दिया है।

एक अन्य राजनयिक ने कहा कि पश्चिमी अधिकारियों को आंतरिक और विदेश मंत्रालयों की ब्रीफिंग में इस कदम के बारे में बताया गया था। जब इस निकास शुल्क के बारे में चिंताएं उठाई गईं, तो अधिकारियों को बताया गया कि शुरुआती फैसले में हर शख्स के लिए 10,000 अमेरिकी डॉलर लेने का विचार था, लेकिन इसे घटाकर 830 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया था। राजनयिक ने कहा कि यह बहुत अजीब है और मुझे निजी रूप से यह बहुत निराशाजनक लगता है। इस निकास परमिट शुल्क का क्या औचित्य है? पैसा कमाने के लिए और भी बहुत सारे रास्ते हैं?

पाकिस्तान ने बिना दस्तावेज वाले विदेशियों पर कार्रवाई की घोषणा करते हुए लगभग 20 लाख अपंजीकृत अफगानों को देश छोड़ने की समय सीमा 1 नवंबर तय की थी। समय सीमा बीतने के साथ ही पाकिस्तान ने बिना दस्तावेज वाले अफगानों का बड़े पैमाने पर निर्वासन शुरू कर दिया। अगस्त 2021 में काबुल में तालिबान के कब्जे के बाद से सही दस्तावेजों के बिना या खत्म समय वाले वीजा के साथ हजारों अफगानी पाकिस्तान में हैं। वे सभी पश्चिमी देशों में अपने जीवन को फिर से शुरू करने का इंतजार कर रहे हैं। उनमें से अधिकांश ने पश्चिमी सरकारों और संगठनों के साथ काम किया है और मानवीय आधार पर पुनर्वास के पात्र हैं।

अमेरिकी सरकार अपने देश में लगभग 25,000 अफगानों को बसाने की योजना बना रही है। जबकि ब्रिटेन ने कहा है कि वह 20,000 लोगों का पुनर्वास करेगा। पाकिस्तान में पांच वरिष्ठ पश्चिमी राजनयिकों ने कहा कि पाकिस्तान में निकास के लिए परमिट शुल्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभूतपूर्व था और यह अफगान शरणार्थियों के लिए एक झटके के रूप में आया था। एक राजनयिक ने कहा कि उनको पता है कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत बहुत खस्ता है, लेकिन शरणार्थियों से पैसा कमाने की कोशिश करना वास्तव में बहुत अजीब है।

गारंटी के बावजूद भी 4 राज्यों के चुनाव में मुख्य फैक्टर होगी जाति

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या किसी चुनाव में आम मतदाता 'गारंटी' और विकास के लिए वोट करते हैं, या फिर वे अभी भी अपनी जाति के लिए वोट करते हैं? हालांकि नरेंद्र मोदी युग में लगता है कि लोकसभा चुनाव जाति या गारंटी से ऊपर उठ गए हैं। लेकिन राज्यों में विधानसभा चुनावों में जाति गणित अभी भी मजबूती से हावी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान या तेलंगाना विधानसभा चुनावों में कास्ट फैक्टर प्रमुख रहा है।

लोकप्रिय धारणा यह है कि यह '5 गारंटी' ही थी, जिसने कुछ महीने पहले कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस का रुख मोड़ दिया था। हालांकि, अगर नतीजों पर बारीकी से नजर डाली जाए, तब एक अलग तस्वीर उभरती है। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत का मुख्य कारण यह था कि वोकालिंगा ने पुराने मैसूर क्षेत्र में अपनी वफादारी जद (एस) से कांग्रेस की ओर मोड़ दी। क्योंकि उन्हें लगा कि उनके नेता डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। वोकालिग्गा को हमेशा अपने नेता एचडी देवगौड़ा के प्रधानमंत्री बनने और उनके बेटे एचडी कुमारस्वामी के मुख्यमंत्री बनने पर गर्व था।

कर्नाटक चुनाव में जद (एस) धराशायी हो गई। उसने जिन सीटों पर चुनाव लड़ा उनमें से दो-तिहाई सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई और कांग्रेस को इसका फायदा हुआ। पांच साल पहले राजस्थान में भी ऐसा ही हुआ था, जब कांग्रेस ने पूर्वी राजस्थान में जीत हासिल की थी, क्योंकि वहां के तीन जिलों में प्रभावी गुज्जरों को लगा था कि उनके नेता सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। कांग्रेस ने इस बार भी सचिन पायलट को सीएम के रूप में प्रोजेक्ट नहीं किया है। इसकी मुख्य वजह यह है कि अशोक गहलोत जिस माली समुदाय से आते हैं, वहां गुर्जर मतदाताओं से अधिक है। दूसरी बात यह है कि माली समुदाय के लोग पूरे राजस्थान में मौजूद हैं।

मध्य प्रदेश में, ओबीसी और आदिवासी मतदाता मुख्य फैक्टर हैं। चौहान को भरोसा है कि अगर प्रदेश में भाजपा जीतती है, तब वह फिर से सीएम बनने वाले हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनके समुदाय की राज्य में लगभग 100 सीटों पर मजबूत उपस्थिति है। जब सीधी में एक आदिवासी के उत्पीड़न की घटना सामने आई थी तब सीएम चौहान को लगा था कि वहां मुश्किल में फंस सकते हैं। उन्होंने तुरंत सीधी जाकर पीड़ित आदिवासी के पैर धोकर स्थिति को संभालने की कोशिश की थी।

तेलंगाना चुनावों के बीच, पीएम नरेंद्र मोदी ने एससी कोटा में 'मडिगा' समुदाय के उप-वर्गीकरण के लिए उन्हें न्याय देने के लिए एक समिति गठित करने का वादा किया है। जाति के अलावा, बाहरी-अंदरूनी' फैक्टर भी राज्य चुनाव में मतदाताओं पर भारी पड़ता है। अपना पूरा अभियान 'सात गारंटी' पर लड़ने वाले अशोक गहलोत को चुनाव के अंत में यह कार्ड खेलना पड़ा। राज्यों में कांग्रेस का सारा अभियान 'गारंटी' के सहारे रहा है। भाजपा को भी मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में 'गारंटी' का सहारा लेना पड़ा है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में महिलाओं के लिए भत्ता और राजस्थान में गैस सिलेंडर केवल 450 रुपये में देने का वादा किया गया। लेकिन राजनीतिक फोकस जाति पर ही रहता है। कांग्रेस को लगता है कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जाति जनगणना कराने की उसकी चाल सफल होगी। क्योंकि लोगों को आरक्षण में अधिक हिस्सेदारी की उम्मीद दिख रही है।

वहीं भाजपा ने जाति जनगणना को लोगों को बांटने की एक चाल बताया है। भाजपा ने शीर्ष नेता नरेंद्र मोदी के ओबीसी होने का हवाला देकर कहा है कि यह भाजपा ही है जो ओबीसी की सबसे अधिक परवाह करती है।

संसद का शीतकालीन सत्र 4 से, सर्वदलीय बैठक 2 दिसंबर को

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर को आहुत किया गया है, जो कि 22 दिसंबर को समाप्त होगा। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना को देखते हुए केंद्र सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले 2 दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। जानकारी अनुसार संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरु होने जा रहा है। चूंकि सर्वदलीय बैठक सत्र शुरू होने से एक दिन पहले बुलाई जाती है, लेकिन 3 दिसंबर को पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना होना है इसलिए सरकार ने 2 दिसंबर को बैठक बुलाई है। शीतकालीन सत्र में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़े मामले से लेकर विधानसभा चुनाव नतीजे छाए रहने वाले हैं। गौरतलब है कि मोइत्रा पर पैसे लेकर प्रश्न पूछने के आरोपों से जुड़े मामले में लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट भी इस सत्र के दौरान सदन में पेश की जाएगी। समिति द्वारा मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की अनुशंसा भी बहस का मुद्दा होगी। संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित लंबित विधेयक पर भी नजर रहेगी। गौरतलब है कि मानसून सत्र में पेश किए गए इस विधेयक को सरकार ने विपक्ष और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के विरोध को देखते हुए संसद के विशेष सत्र में पारित करने पर जोर नहीं दिया था।

भूतखेली देखने और भूत उतरवाने पहुंचे हजारों लोग

-ओझा गुनी के लिए विशेष हैं कार्तिक पूर्णिमा का दिन

वैशाली। जिला मुख्यालय हाजीपुर के कोनहारा घाट को मोक्ष धाम कहा जाता है। यही वह स्थान है, जहां भगवान विष्णु ने गज यानी हाथी रूपी अपने भक्त की पुकार पर आकर घड़ियाल का वध कर उसके चंगुल से हाथी को मुक्त कराया। भगवान के हाथों वध होने के बाद घड़ियाल को भी मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। तभी से इस जगह को मोक्ष धाम माना जाता है। इस स्थान की एक और विशेषता है। यहां कार्तिक पूर्णिमा की रात को भूतों का मेला लगता है। लोगों को भूत-प्रेत से मुक्ति दिलाई जाती है। कल रात को भी चिता के पास भूतखेली की गई। जिसमें हजारों लोग शामिल थे। पूर्वी भारत के अधिकांश ओझा गुनी के लिए कार्तिक पूर्णिमा का दिन विशेष होता है। भूत-प्रेत जैसी बुरी आत्माओं से छुटकारा पाने और दिलाने के लिए ओझा और पीड़ित इस खास कार्तिक पूर्णिमा का साल भर इंतजार करते हैं। कई लोग थे, जो सिर्फ भूत खेली देखने आए हुए थे। श्मशान में मौजूद ओझा रंजीत भगत ने बताया कि वह इस मेला में 6 साल से पहुंच रहे हैं। जलती हुई चिता के पास बैठकर लोगों को सिद्ध करते हैं। मां तारा की कृपा से ही यह सबकुछ संभव होता है। इस दौरान भीड़ नियंत्रण और किसी भी तरह की दुर्घटना से निपटने के लिए घाट पर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स और मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाती है। निगरानी के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरा लगाया गया था। लेकिन वर्षों से यहां चली आ रही भूतखेली को कोई नहीं रोकता है। यही कारण है कि यहां अंधविश्वास का खेल रातभर चलते रहता है। जलती हुई चिता के पास बैठकर तांत्रिक झाड़-फूंक करते दिखाई दिए।

वायु गुणवत्ता सुधार के बावजूद 'बहुत खराब' श्रेणी बरकरार

नई दिल्ली। पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम संबंधी परिस्थितियों में रविवार से सुधार की संभावना है। रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता में आंशिक सुधार देखा गया लेकिन अब भी वह ''बहुत खराब'' श्रेणी में है। दिल्ली में नवंबर में 10 दिन वायु गुणवत्ता 'गंभीर' रही है। न्यूनतम तापमान में गिरावट और रात में हवा की धीमी गति के कारण प्रदूषकों के एकत्र होने से दिल्ली में वायु गुणवत्ता शुक्रवार को फिर से गंभीर श्रेणी में दर्ज की गयी थी। शहर में अपराह्न चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 389 था जबकि सुबह आठ बजे यह 421 दर्ज किया गया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक वैज्ञानिक ने रविवार से पश्चिमोत्तर भारत को प्रभावित कर सकने वाले एक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण मौसम संबंधी स्थितियों में संभावित सुधार के परिणामस्वरूप प्रदूषण से थोड़ी राहत का अनुमान जताया है। दिल्ली के एक्यूआई में गत रविवार को मामूली सुधार के बाद से लगातार वृद्धि हो रही है। केंद्र ने हवा की अनुकूल गति और दिशा के कारण प्रदूषण के स्तर में गिरावट के बाद पिछले शनिवार को दिल्ली में कुछ परियोजनाओं से संबंधित निर्माण कार्य और प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध सहित कड़े प्रतिबंध हटा दिए थे, जिसके बाद एक्यूआई के स्तर में वृद्धि हुई है। दिल्ली सरकार और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर की एक संयुक्त परियोजना के आंकड़ों के मुताबिक शुक्रवार को राजधानी के वायु प्रदूषण में जैव ईंधन जलाने का योगदान 51 प्रतिशत रहा। आंकड़ों के अनुसार, राजधानी के वायु प्रदूषण में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का योगदान 31 प्रतिशत रहा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने संबंधित एजेंसियों और विभागों को प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर सख्ती से अंकुश लगाने और जैवईंधन जलाने की बढ़ती घटनाओं को रोकने का निर्देश दिया है।

केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा ने देश में सीएए लागू करने का किया दावा

कोलकाता। केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा ने देश में सीएए लागू करने का किया दावा किया है। मिली जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए अजय मिश्रा टेनी ने सीएए के नियमों को तैयार करने में देरी पर मटुआ समुदाय के डर को दूर करने की कोशिश की। नागरिकता संशोधन क़ानून यानी सीएए देश में ज़रूर लागू होगा और इसके लिए राज्यसभा की विधायी समिति ने नियम बनाने के लिए 30 मार्च 2024 की तारीख तय कर दी है। ये बात केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने कही है। बता दें कि नागरिकता संशोधन बिल दिसंबर 2019 में संसद के दोनों सदनों से पारित हो चुका है। यह बिल 9 दिसंबर, 2019 को लोकसभा में पारित हुआ। राज्यसभा में यह 11 दिसंबर, 2019 को पारित हुआ। 12 दिसंबर को यह एक कानून बन गया। जब ?कि 10 जनवरी 2020 को यह अधिनियम लागू हुआ। इस अधिनियम के तहत 31 दिसंबर 2014 से पहले अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से भारत में आए हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता दी जानी है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम निश्चित रूप से आगामी महीनों में लागू किया जाएगा, राज्यसभा की विधायी समिति ने 30 मार्च 2024 तक नियम बनाने की समय सीमा तय की है। सभा को संबोधित करते हुए अजय मिश्रा टेनी ने सीएए के नियमों को तैयार करने में देरी पर मटुआ समुदाय के डर को दूर करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित अधिनियम ने सुनिश्चित किया कि समुदाय के सदस्य नागरिक बनें। इस दौरान स्थानीय भाजपा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने उनका समर्थन भी किया।

श्रीलंका-थाईलैंड के बाद अब मलेशिया में भी वीजा-फ्री एंट्री

नई दिल्ली। भारतीयों के लिए श्रीलंका-थाईलैंड के बाद अब मलेशिया में भी वीजा-फ्री एंट्री की शुरुआत होने जा रही है। नए साल के मौके पर देश नहीं बल्कि विदेश घूमने का प्लान बना रहे लोगों के लिए यह अच्छी खबर है। दरअसल, मलेशिया में 1 दिसंबर से भारत और चीन के नागरिकों को वीजा-फ्री एंट्री मिलने जा रही है। ऐसे में अब आपको फॉरेन ट्रिप प्लान करन के लिए वीजा बनवाने के लिए चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रविवार देर रात अपने पीपुल्स जस्टिस पार्टी कांग्रेस में एक भाषण के दौरान इस बात की घोषणा की। जिसके अनुसार अब चीनी-भारतीय नागरिक 30 दिनों तक मलेशिया में बिनी वीजा के रह सकेंगे। इस संबंध में अनवर इब्राहिम ने बताया कि इस छूट के तहत चीनी और भारतीय नागरिक 30 दिनों तक मलेशिया में बिनी वीजा के रह सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि फ्री वीजा एंट्री कब तक लागू रहेगी। गौरतलब है कि कई ऐसे देश हैं जहां घूमने के लिए आपको वीजा बनवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बता दें कि मलेशिया से पहले श्रीलंका-थाईलैंड भी वीजा फ्री एंट्री का ऐलान कर चुके हैं।

जहरीली गैस से भरा टैंकर सड़क पर पलटा, ट्रैफिक जाम के बाद मची अफरा-तफरी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक जहरीली गैस से भरा टैंकर सड़क पर पलट गया। इससे भारी अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार अत्यधिक ज्वलनशील और जहरीली गैस एथिलीन ऑक्साइड के रिसाव के बाद यह आपातकालीन स्थिति बनी। पुणे-अहमदनगर राजमार्ग पर वडगांव शेरी चौक के पास गैस ले जा रहा एक टैंकर पलट गया, जिससे बड़ी मात्रा में जहरीली गैस लीक हो गई। यह घटना आज तड़के हुई, जिससे स्वास्थ्य समस्याओं के खतरों के बीच फायर ब्रिगेड और पुणे पुलिस को जरूरी बचाव कार्रवाई में जुटना पड़ा। पुणे फायर ब्रिगेड के अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्हें सोमवार को लगभग 12.47 बजे एक निजी क्षेत्र की रासायनिक कंपनी द्वारा संचालित टैंकर से एक अत्यधिक ज्वलनशील, जहरीले और कैंसरकारी रसायन एथिलीन ऑक्साइड के रिसाव के बारे में एक कॉल मिली। इस मामले में फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने कहा कि रिसाव की गंभीरता, विस्फोट और जहरीले रसायन के जोखिम को ध्यान में रखते हुए आसपास के सभी दमकल केंद्रों से घटनास्थल पर फायर टेंडर तैनात करना शुरू कर दिया गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक टैंकर का संचालन रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स द्वारा किया जाता है और इसके बारे में कंपनी के अधिकारियों को बता दिया गया। उन्होंने कहा कि दमकल गाड़ियों के मौके पर पहुंचने के बाद उस जगह पर लगातार पानी का छिड़काव शुरू किया गया, जहां से रिसाव हो रहा है। हालां?कि कंपनी की एक टीम मौके पर पहुंच गई है। दमकल विभाग के रासायनिक आपातकालीन गाड़ियों के सुबह लगभग 8 बजे तक पहुंचने की उम्मीद थी। तब तक पानी का छिड़काव लगातार जारी रखने की योजना थी। स्थानीय पुलिस और ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट ने इलाके की घेराबंदी कर दी और यातायात को पुणे-अहमदनगर रोड और इलाके की कुछ संपर्क सड़कों पर मोड़ दिया गया।

देश में दोबारा बीजेपी सरकार आई तो आम लोगों का वोट का अधिकार भी खतरे में पड़ सकता है- नाना पटोले

मुंबई (एजेंसी)। देश के हर नागरिक को वोट देने का अधिकार होना चाहिए। डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की यह भूमिका थी लेकिन कुछ लोगों ने उनका विरोध भी किया। इन लोगों यह मत था कि केवल टैक्स चुकाने वालों को ही वोट देने का अधिकार होना चाहिए, लेकिन डॉ.आंबेडकर ने इसे खारिज करते हुए आम लोगों को वोट देने की शक्ति दे दी। जब तक कांग्रेस सत्ता में थी, तब तक संविधान को बरकरार रखा गया, लेकिन पिछले साढ़े नौ साल में संविधान के साथ खिलवाड़ किया गया। 2024 के बाद अगर बीजेपी सरकार आएगी तो आम लोगों को वोट देने का अधिकार पर भी खतरा पैदा हो सकता है. यह आशंका महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने जताई है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति और मुंबई कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रभाग ने रविवार को दादर के बीएन वैद्य सभागार में संविधान दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर संविधान की एक लाख प्रतियों के वितरण का शुभारंभ किया गया। उससे पहले राजगृह से दादर तक संविधान ध्वज खींचा गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक अनुभाग समन्वयक के. राजू, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एससी प्रभाग के अध्यक्ष राजेश लिलोठिया, मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री वर्षा गायकवाड, प्रदेश कांग्रेस एस. सी विभाग अध्यक्ष सिद्धार्थ हट्टियाम्बिरे, कचरू यादव, प्रदेश कांग्रेस महासचिव देवानंद पवार, प्रवक्ता राजू वाघमारे, डा. नामदेव उसेंडी, अजंता

यादव, मदन जाधव समेत कई नेता मौजूद थे। अपने भाषण की शुरुआत में पटोले ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दीं और आगे कहा कि बीजेपी ने लोकतंत्र के चारों स्तंभों को कमजोर किया है। लेकिन कांग्रेस ने अपने शासनकाल में लोकतंत्र के इन चारों स्तंभों की स्वतंत्रता को बरकरार रखा। भाजपा सरकार ने मीडिया की आजादी छीन ली है, प्रशासनिक व्यवस्था भी खतरे में है। शीर्ष अधिकारियों का चयन यूपीएससी के माध्यम से किया जाता है लेकिन अब भाजपा सरकार संयुक्त सचिव के पद पर सीधे आरएसएस विचारकों की नियुक्ति कर रही है। न्याय व्यवस्था में भी हस्तक्षेप किया जा रहा है। जजों की नियुक्ति में केंद्र सरकार मनमानी कर रही है। पटोले ने कहा कि बीजेपी ने डॉ. बाबा साहेब के सामाजिक न्याय के रथ को पीछे ले जाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अब हम चुप नहीं बैठने वाले हैं। हमें संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होना होगा। कल तक कुछ उद्योगों का निजीकरण किया जा रहा था लेकिन अब जिला परिषद के स्कूलों का भी निजीकरण किया जा रहा है। भाजपा सरकार द्वारा गरीबों के बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। यह भाजपा सरकार की आम जनता को गुलाम बनाने की साजिश है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक वर्ग के समन्वयक के. राजू ने कहा कि देश का संविधान आज खतरे में है और उसे बचाना हमारी जिम्मेदारी है। इस दिन देश ने संविधान अपनाया लेकिन आरएसएस ने इसे स्वीकार नहीं किया और इसका विरोध किया। आज भी आरएसएस और बीजेपी संविधान का सम्मान नहीं करते। जब तक संविधान रहेगा तब तक आरएसएस का हिंदू राष्ट्र का एजेंडा सफल नहीं होगा। इसलिए वे संविधान को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं। भाजपा सरकार ने लोकतंत्र की स्वायत्त संस्थाओं पर कब्जा जमा लिया है। संविधान के साथ छेड़छाड़ की जा रही है और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचला जा रहा है। हम सभी से अपील करते है कि भाजपा के इस एजेंडे को हराने के लिए हम सभी मिल कर काम करें। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एससी विभाग के चेयरमैन राजेश लिलोठिया ने कहा कि बीजेपी संविधान को कमजोर करने का काम कर रही है। डॉ. आंबेडकर ने महिलाओं, पिछड़े वर्गों को समान रूप से जीने का अधिकार दिया लेकिन इसे कमजोर किया जा रहा है। कांग्रेस के एससी विभाग की ओर से संविधान की एक लाख प्रतियां बांटने का कार्यक्रम आज मुंबई से शुरू किया गया है। अगले साल हर घर तक संविधान पहुंचाने का काम किया जाएगा। लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई में सभी को भाग लेना चाहिए और हमारे नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को इस लड़ाई में ताकत देनी चाहिए।

सरकारी आदेश पर लखनऊ समेत यूपी के कई जिलों में मस्जिदों से उतरवाए लाउडस्पीकर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस एक बार फिर लाउडस्पीकर को लेकर ऐक्शन में आई है। मिली जानकारी के अनुसार लखनऊ कानपुर समेत प्रदेशभर में कई जगह मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरवा लिए गए हैं। स्पेशल डीजी प्रशांत कुमार के निर्देश पर सोमवार सुबह अभियान चलाकर पुलिस ने लाउडस्पीकर को उतरवाकर अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि लाउडस्पीकर को उतरवाने के दौरान पुलिस को सहयोग भी मिला। जहा पुलिस द्वारा शांति से कार्रवाई की गई। खबर के मुबातिक, पुलिस टीमें सोमवार सुबह पांच बजे गश्त पर निकली। हालांकि एक बार फिर पुलिस ने एक्शन लिया। इस दौरान लखनऊ में तकिया वाली मस्जिद, गाजीपुर क्षेत्र समेत कई इलाकों में मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरे गए। वहीं फैजाबाद के उत्तर थाना दक्षिण थाना रसूलपुर और थाना रामगढ़ क्षेत्र से करीब एक दर्जन लाउडस्पीकर उतरवाए गए हैं। हमीरपुर में भी सुबह पांच बजे से पहले ही एसडीएम, सीओ पुलिस फोर्स के साथ मस्जिदों के भ्रमण पर रहे। शहर की मस्जिदों के जिम्मेदारों से मिलकर उन्हें शासन द्वारा जारी निर्देशों की जानकारी दी। हालांकि किसी भी मस्जिद में बाहर कोई लाउड स्पीकर लगा नहीं मिला है।

इधर कानपुर में गोविद नगर, नई सड़क समेत कई मस्जिदों से भोर पहर लाउडस्पीकर हटाए गए। पुलिस आयुक्त आर.के. स्वर्णकार के नेतृत्व में धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों पर लगे अवैध ध्वनि विस्तारक यंत्रों को विभिन्न थानाक्षेत्र के अन्तर्गत विशेष अभियान चलाकर हटवाए गए। बांदा में भी मस्जिदों और मंदिरों से लाउडस्पीकर हटाए गए हैं। वहीं चित्रकूट के एक मस्जिद से भी हटाया गया। फर्रुखाबाद में 37 स्थान पर आवाज कम कराई गई 9 स्थान से लाउडस्पीकर हटवाए गए। इधर ललितपुर में तीन मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरवाए गए। साथ ही कई मस्जिदों में वॉल्यूम कम कराया गया। कन्नौज में करीब 20 मस्जिदों में भी यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कोतवाली उरई व जालौन कोतवाली क्षेत्र का भ्रमण कर धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर चेक किया गया एवं धार्मिक स्थलों के धर्मगुरुओं को मानक के अनुसार लाउडस्पीकर बजने हेतु निर्देशित किया गया तथा ड्यूटीरत पुलिस बल को विशेष सतर्कता बरतने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

हैदराबाद का नाम बदलकर भाग्यनगर कर देंगे, चुनाव प्रचार के दौरान जी किशन रेड्डी ने किया बड़ा वादा

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो हैदराबाद का नाम बदलकर 'भाग्यनगर' कर दिया जाएगा। रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'भाजपा सरकार तेलंगाना में सत्ता में आई तो हैदराबाद का नाम बदल दिया जाएगा। मैं पूछता हूं कि हैदर कौन है? क्या हैदर नाम की जरूरत है? हैदर कहां से आया? किसे हैदर की जरूरत है। भाजपा सत्ता में आई तो निश्चित रूप से हैदर नाम हटाकर शहर का नाम भाग्यनगर कर दिया जाएगा।' रेड्डी ने कहा कि मद्रास का नाम बदलकर चेन्नई भाजपा ने नहीं बल्कि द्रमुक सरकार ने किया। उन्होंने कहा कि जब मद्रास का नाम चेन्नई, बंबई का नाम मुंबई, कलकत्ता का नाम कोलकाता और राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया है तो हैदराबाद का नाम बदलकर भाग्यनगर करने में क्या परेशानी है? उन्होंने कहा, 'अगर भाजपा सत्ता में आई तो हम वो सारी चीजें बदल देंगे जिनसे गुलामी की मानसिकता झलकती है।' उन्होंने कहा कि भाजपा नाम बदलने के संबंध में विद्वानों की राय भी लेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेलंगाना में अपनी चुनावी सभाओं में कहा है कि हैदराबाद का नाम भाग्यनगर और महबूबनगर का नाम पालामुरु कर देना चाहिए।

गुरुद्वारे में खालिस्तानी समर्थकों ने भारतीय राजदूत के साथ की धक्का-मुक्की

-गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी समर्थकों के एक समूह ने भारतीय राजदूत के साथ धक्का-मुक्की कर दी है। समर्थकों ने गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार न्यूयॉर्क में एक गुरुद्वारे के बाहर अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ धक्का-मुक्की हुई। इतना ही नहीं उन पर सिख कट्टरपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या करने और प्रतिबंधित सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) संगठन के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया। यह घटना 22 नवंबर को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची के उस बयान के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने संगठित अपराधियों, आतंकवादियों और अन्य लोगों के बीच सांठगांठ से संबंधित कुछ इनपुट साझा किए हैं और ये इनपुट दोनों देशों के लिए चिंता का कारण हैं और उन्होंने इस पर कार्रवाई करने का फैसला किया है।

यह घटना न्यूयॉर्क के हिक्सविले गुरुद्वारे में हुई, जहां एक व्यक्ति को निज्जर की हत्या के आरोप में संधू पर चिल्लाते हुए सुना जा सकता है, जिसकी इस साल जून में कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह खालसा ने एक वीडियो साझा किया, इसमें संधू चिल्लाते हुए लोगों से घिरे हुए हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि खालिस्तानियों ने गुरपतवंत (एसएफजे) की हत्या की असफल साजिश और खालिस्तान जनमत संग्रह अभियान में उनकी भूमिका के लिए भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू को आधारहीन सवालों से घेरने की कोशिश की है। न्यूयॉर्क के हिक्सविले गुरुद्वारे में खालिस्तान समर्थकों का नेतृत्व करने वाले हिम्मत सिंह ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका के लिए राजदूत संधू पर भी आरोप लगाया है।

बता दें कि इस साल सितंबर में इसी तरह की एक घटना में, यूके में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी को कुछ खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में एक गुरुद्वारे में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी थी। एनआईए ने 20 नवंबर को सूचीबद्ध आतंकवादी पन्नू के खिलाफ उसके नवीनतम वायरल वीडियो पर एक नया मामला दर्ज किया था, इसमें एयर इंडिया से उड़ान भरने वाले यात्रियों को वैश्विक नाकाबंदी और 19 नवंबर से एयरलाइन के संचालन को बंद करने की धमकी दी गई थी।

विशेषज्ञों की सिफारिशें मानी होतीं तो 41 मजदूरों की जान को नहीं होता खतरा

उत्तरकाशी (एजेंसी)। सिल्कयारा सुरंग में बीते एक पखवाड़े से फंसे 41 मजदूरों को निकालने में भारी दिक्कतें आ रहीं हैं। कभी ड्रिल मशीन खराब होती है तो कभी कोई और समस्या आ जाती है। इस तरह की घटनाएं दुबारा न हों इसके लिए जानकार अपने सुझाव देने के लिए सामने आए है। उन्होंने पत्रकारों से यहां तक कह दिया कि यदि सिफारिशों पर पूरी तरह अमल किया होता हो शायद मजदूरों की जान खतरे में नहीं पड़ती।

उत्तराखंड बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय में भूगर्भ एवं पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर एसपी सती ने कहा वैधानिक तौर पर किसी भी सुरंग परियोजना के तहत आपात स्थिति में बाहर निकलने के लिए एक विशेष मार्ग के निर्माण को अनिवार्य किया गया है।' सिल्कयारा सुरंग और चार धाम परियोजना जैसी परियोजनाओं के लिए आम तौर पर पर्यावरण पर प्रभाव का आकलन (ईआईए) करने की आवश्यकता होती है। मगर इस परियोजना के लिए सरकार ने ऐसा कोई आकलन नहीं किया। पर्यावरण पर प्रभाव का आकलन करने संबंधी जरूरतों को दरकिनार करते हुए इस परियोजना को 100 किलोमीटर से छोटे कई खंडों में विभाजित किया गया था। इस परियोजना के लिए सरकार द्वारा पर्यावरण पर प्रभाव का आकलन न कराए जाने के सवाल पर सती ने कहा कि यह आकलन महज एक दिखावा है।

सती ने कहा, 'हमने देखा है कि सुरंग बनाने के दौरान ठेकेदार विस्फोटकों का इस्तेमाल करते हैं। यह दुर्घटना विस्फोटकों के इस्तेमाल के कारण भी हुई होगी। इसके अलावा, आपातकाल में बाहर निकलने के लिए बचाव मार्ग का न होना चिंताजनक है। उन्होंने पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में मौजूद सभी परियोजनाओं के लिए व्यापक भूगर्भीय एवं भू-तकनीकी सर्वेक्षण कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। सती ने कहा, 'सुरंग के निर्माण संबंधी सुरक्षा नियमों की व्यापक समीक्षा करने की जरूरत है। इसके अलावा सभी सुरंग परियोजनाओं की देखरेख एवं निगरानी करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने की जरूरत है जिसमें विशेषज्ञों को शामिल किया जाना चाहिए।'

सर्वोच्च न्यायालय ने 2019 में एक समिति गठित की थी जिसने इस परियोजना के लिए उपचारात्मक उपायों का सुझाव दिया था। इस समिति के पूर्व अध्यक्ष रवि चोपड़ा ने कहा कि इस सप्ताह के आरंभ में पर्यावरण पर प्रभाव का आकलन करना आवश्यक था। उन्होंने कहा कि समिति ने केंद्र से त्वरित आकलन कराए जाने की सिफारिश की थी जिसे अधिकारियों ने नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह कथित तौर पर एक आपराधिक मामला बनता है। ईआईए अधिसूचना 2006 के अनुसार, परियोजना के दौरान जगहों में भौतिक बदलाव संबंधी किसी भी निर्माण, परिचालन आदि गतिविधियों के लिए सरकार को व्यापक आकलन रिपोर्ट देना अनिवार्य है। इसके अलावा ठेकेदार के लिए खनन एवं सुरंग सहित सभी भूमिगत कार्यों की व्यापक जानकारी उपलब्ध कराना जरूरी है।

एनडीएमए के सदस्य सैयद अता हसनैन ने इस सप्ताह के आरंभ में संवाददाताओं से कहा था, 'यह एक तरह का युद्ध है जहां दुश्मन हिमालयी भूगर्भ है।' विशेषज्ञों के अनुसार, हिमालय का भूगर्भ इतना नाजुक है कि बचाव के पयास में भी तमाम बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इससे पता चलता है कि चार धाम परियोजना जैसी परियोजनाओं की मंजूरी और कार्यान्वयन में काफी सावधानी बरती जानी चाहिए थी। बता दें कि उत्तराखंड में निर्माणाधीन सिल्कयारा-बरकोट सुरंग में पिछले दो सप्ताह से 41 मजदूर फंसे हुए हैं। सरकार और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा तमाम रणनीति बनाए जाने और बेहतरीन उपकरणों एवं विशेषज्ञता के साथ प्रयास किए जाने बावजूद उन्हें अब तक बाहर नहीं निकाला जा सका है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेमौसम बारिश से खेतों में फसल का नुकसान देखकर रो पड़ी महिला

खड़ी फसल को भारी नुकसान,किसानों के मुंह से निवाला छीन गया

खड़ी फसलों में नुकसान होने से किसानों में भारी निराशा है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात में दो दिनों से हुई बेमौसम बारिश ने किसानों को सबसे ज्यादा दु:ख और नुकसान पहुंचाया है। बेमौसमी बारिश के कारण मौसमी फसलों को भारी नुकसान हुआ है। किसानों के मुंह का निवाला छिन जाने से विकट स्थिति उत्पन्न हो गयी है। शनिवार और रविवार को सूरत समेत दक्षिण गुजरात के कई इलाकों में तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बेमौसम बारिश के कारण किसानों की तैयार फसलें बर्बाद हो गयी हैं।

बारिश के बाद खेत में गई किसान महिला की आंखें भर आईं। महिला ने आंखों में आंसू के साथ कहा कि हम गरीब किसान कर्ज में डूबकर दो रुपये कमाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। उधार के पैसे से पौधारोपण किया। मेहनत आंखों के सामने एक झटके में बह गई।

दक्षिण गुजरात के सूरत समेत कई इलाकों में तूफान के साथ बारिश ने नवंबर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। तूफान के कारण शहर में ३० पेड़ गिरने से ३ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मिनी तूफान के दौरान अधिकतम गति ५५ से ६० किमी प्रति घंटे दर्ज की गई। शीतकाल में बर्फीले तूफ़ान से भारी क्षति हुई। मानो आसमान से आफत बरसी हो और बाजार में जाने के लिए तैयार पोंक, पापड़ी, तुवर और ग्वार सहित खड़ी फसलें बह गईं। भारी क्षति के कारण किसानों में काफी निराशा है। बेमौसम बारिश के कारण साल भर की पूंजी के बराबर खड़ी फसल नष्ट हो जाने से आश्रित परिवारों की आंखें नम हो गयीं।

भाठा गांव की रहने वाली उषाबेन पटेल ने कहा, मैं अपने खेतों में महेनत से सब्जियां लगाती थी, अब तुवेर लगायी है। फसल के लिए मैंने किसी और से पैसे उधार लिए। अचानक बारिश हुई है और मेरी खड़ी तुवेर की फसल में फिर से पानी भर गया है। जब मेरी फसल मेरी आंखों के सामने बह गई तो मेरी आंखों में आंसू आ गए। हम गरीब किसान कर्ज में डूबे हुए हैं और दो-चार रुपये कमाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और इस तरह की बेमौसम बारिश के कारण आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं। सर्दी की सब्जियां तैयार करने के लिए चार माह से तैयारी चल रही थी। जब तुवेर के लिए पूंजी लगाई गई और कर्ज लिया गया तो सारी मेहनत आंखों के सामने एक झटके में बह गई। मेरी सरकार से विनती है की असरग्रस्त किसानों को जल्द से जल्द वित्तीय राहत देना चाहीए।

बेमौसम बारिश के कारण २४ से ज्यादा पेड़ गिर गए

पेड़ गिरने से दो मिट्टी के मकान दब गये

पालभाठा में पार्किंग शेड गिरने से ७ चारपहिया वाहन और ५ बाइक क्षतिग्रस्त हो गये

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत समेत आसपास के इलाकों में रविवार को हवा के साथ बेमौसम बारिश हुई, जिससे शहर के अलग-अलग इलाकों में २४ से ज्यादा पेड़ और पेड़ों की शाखाएं टूटकर उड़ गईं। बारिश के कारण पाल-भाठा में दो पार्किंग शेड गिरने से ७ चार पहिया वाहन और पांच बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। भाठागांव में पेड़ गिरने से दो मिट्टी के मकानों को भारी क्षति पहुंची।

फायर ब्रिगेड सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पाल भाठा रोड, ग्रीन सिटी हाइट्स में वाहन पार्किंग के लिए बने शेड के नीचे करीब १५ चार पहिया वाहन और करीब २० बाइकें खड़ी थीं। रविवार की सुबह हुई भारी बारिश के कारण लोहे का बना पार्किंग शेड अचानक तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में

आ गया। तो वहां मौजूद लोग भाग खड़े हुए।कॉल मिलने पर फायर ब्रिगेड वहां पहुंची और शेड के नीचे दबी गाड़ी को निकालने के लिए दो घंटे तक मशक्कत की। हालांकि, दमकल स्टाफ के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने भारी वाहनों का बाहर निकाल लिया गया था।

अग्निशमन अधिकारी कीर्ति मोड ने बताया कि ७ चारपहिया वाहन और ५ बाइक को ज्यादा नुकसान हुआ है। इसके साथ ही भाठागाम में जलाराम मंदिर के पास आज सुबह बारिश के कारण दो कच्चे मकान गिर गये। हालांकि, गनीमत यह रही कि घर से बाहर निकल जाने के कारण लोग बच गए। अग्निशमन अधिकारी संपत सुथार ने बताया कि भटार चार रोड के पास शिव मंदिर के पास पेड़ से खड़ी एक कार पर पेड गिर गया। अडाजण में हनीपार्क रोड लाइब्रेरी के पास एक पेड़ गिर गया और दो बाइकें कुचल गईं। सूरत में सुबह से शाम तक २४ से ज्यादा पेड़ गिर गए। इनमें सबसे ज्यादा रांदेर जोन में १४, अठवा में ३, कतारगाम में ३, लिंबायत में १, उधना में १, वारछा में १ और सेंट्रल जोन में १ मरीज शामिल हैं।

बेमौसम बारिश से ३०० पार्टी प्लॉट खेदन मैदान, ३ दिन के सभी कार्यक्रम रद्द

सूरत में बेमौसम बारिश से शादी आयोजकों को करोड़ों का नुकसान

पार्टी प्लॉट की सजावट को बड़ा नुकसान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बेमौसम बारिश से कई उद्योगों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष असर पड़ा है। किसानों को तो नुकसान हुआ ही है, पार्टी प्लॉट धारकों को भी आर्थिक नुकसान झेलने की नौबत आ गयी है। इतना ही नहीं, बल्कि जिन लोगों ने शादी प्रसंग की योजना बनाई थी उन्हें भी अपने कार्यक्रम रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अगले

तीन दिनों के कार्यक्रम रद्द होने से पार्टी प्लॉट मालिको, इवेन्ट आयोजकों को करोड़ों का नुकसान होने की नौबत आ गयी है।

शादी सीजन के पहले ही दिन भारी नुकसान हुआ है। शहर के अधिकांश खुले पार्टी प्लॉटों में बेमौसम बारिश का पानी भर गया है। शादी की सभी तरह की तैयारियां हो जाने के बाद अचानक हुई बेमौसम बारिश के कारण कार्यक्रम रद्द करना पड़ा है। सूरत शहर में ३०० से अधिक खुले पार्टी प्लॉटों पर आयोजित की जाने वाली शादियों और अन्य रिसेप्शन सहित सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। जिससे पार्टी प्लॉट प्रबंधकों को आर्थिक नुकसान होने की नौबत आ गयी है।

सूरत शहर के लग्नसरा में पार्टी प्लॉट बहुत अच्छे से सजाए जाते हैं। कई वास्तविक पार्टी प्लॉट अपनी सजावट के लिए प्रसिद्ध हैं। कल बेमौसम बारिश और मिनी तूफान के कारण पार्टी प्लॉट का प्रवेश द्वार, स्वागत स्थल के ऊपर का सजावट मंडप और कुर्सियां भी नष्ट हो गईं।

सजावट के लिए बने विशाल प्रवेश द्वारों को तेज हवाओं ने धमाके के साथ गिरा दिया। तेज रफ्तार हवाओं के कारण लाइट्स समेत कई चीजों को नुकसान पहुंचा है।

सूरत पार्टी प्लॉट एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेशभाई झडफिया ने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण पार्टी प्लॉट प्रबंधकों को भारी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक पार्टी प्लॉट बुक करने वालों ने बारिश के कारण कार्यक्रम को ३ दिनों तक रद्द करने का फैसला किया है। शहर में छोटे बडे ३०० से अधिक पार्टी प्लॉट हैं। सजावट को भी नुकसान हुआ है। अभी शादी शुरू ही हुई थी कि ये बड़ा नुकसान सामने आ गया।

मिशन ८४ प्रोजेक्ट के तहत चैंबर ऑफ कॉमर्स ने नॉलेज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

एमओयू पर हस्ताक्षर करते एसजीसीसीआई के अध्यक्ष

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने शनिवार को एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन ८४ के तहत नेशनल लेवल नॉलेज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ सहयोग किया है। २५ नवंबर २०२३ को समृद्धि, नानपुरा, सूरत में चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया और नॉलेज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष धवल रावल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मिशन ८४ के सीईओ परेश भट्ट, सुमुल के प्रबंध निदेशक अरुण पुरोहित और नॉलेज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के निदेशक डॉ. अमित जोशी मौजूद रहे।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने बताया कि नॉलेज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ हुए एमओयू के तहत सूरत समेत दक्षिण गुजरात और देशभर में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से जुड़े उद्योगपतियों को नॉलेज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से जोड़ा जाएगा। उत्पादों को खरीदने और बेचने के लिए उनके बीच पारस्परिक औद्योगिक और वाणिज्यिक संबंध विकसित किए जाएंगे। दोनों वाणिज्य मंडल भविष्य में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास के लिए संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जिसमें उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं और सब्सिडी और वैश्विक स्तर पर निर्यात के अवसरों के बारे में मार्गदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा दक्षिण गुजरात की खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को निर्यात उन्मुख बनाने का प्रयास किया जाएगा।

चैंबर अध्यक्ष ने नॉलेज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष-निदेशक और अन्य प्रतिनिधियों को एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन ८४ परियोजना के बारे में जानकारी दी और भारतीय अर्थव्यवस्था को

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को और अधिक विकसित करने संयुक्त रूप से कार्यक्रम करेंगे और निर्यात उन्मुख इकाइयां स्थापित करने का प्रयास करेंगे

मजबूत करने के लिए इस परियोजना की आवश्यकता और महत्व के बारे में बताया। चैंबर ऑफ कॉमर्स ने इस परियोजना के तहत निर्यात बढ़ाने के लिए मिशन ८४ परियोजना के तहत बनाए गए ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय पोर्टल के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

इसमें भारत के ८४,००० उद्यमियों और दुनिया के विभिन्न देशों में कारोबार करने वाले ८४,००० कारोबारियों को इस पोर्टल पर जोड़ने की बात भी बताई गई है। इस तरह भारत के ८४ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स और अन्य देशों के ८४ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स को भी इस ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय पोर्टल को लाने की जानकारी दी गई। मिशन ८४ परियोजना के तहत, भारत में कार्यरत ८४ देशों के महावाणिज्य दूत और दुनिया के ८४ देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले राजदूतों को भी उन देशों में व्यापार के अवसरों और वहां के कानूनों और नियमों के बारे में व्यापारियों का मार्गदर्शन करने के लिए इस पोर्टल पर शामिल किया गया है। जिसके तहत चैंबर अध्यक्ष ने नॉलेज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन समेत प्रतिनिधियों को भारत में कार्यरत विभिन्न देशों के महावाणिज्य दूतों के साथ होने वाली बैठकों से भी अवगत कराया।

नॉलेज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष धवल रावल ने चैंबर अध्यक्ष से कहा कि हम देश भर से अपने सदस्यों को मिशन ८४ परियोजना से जोड़ेंगे और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को इसका अधिकतम लाभ मिले।

हादसे में मृत बुजुर्ग का शव निजि कार में ले गए परिजन

सूरत सिविल अस्पताल से सीसीटीवी वीडियो आया सामने

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। डिंडोली में दूध भरते वक्त एक बुजुर्ग का एक्सीडेंट हो गया। इसके बाद बुजुर्ग को सिविल में शिफ्ट किया गया लेकिन इलाज मिलने से पहले ही उनकी मौत हो गई। जैसे ही परिवार को इसकी जानकारी मिली, परिवार समाज के लोगों के साथ सूरत सिविल अस्पताल पहुंचा। साथ ही परिवार पुलिस को सूचना दिए बिना ही बुजुर्ग के शव को अपने गृहनगर ले गया।

इतना ही नहीं, बुजुर्ग को मृत घोषित किए जाने के बाद यह खुलासा हुआ कि परिवार ने पुलिस प्रक्रिया से गुजरने की डॉक्टरों की सलाह को नजरअंदाज कर दिया। सिविल अस्पताल के सिक्युरीटी गार्ड ने कहा कि परिवार गुस्से में था और जब उसने उनसे कुछ कहने की कोशिश की तो उसने आक्रामक लहजे में बात की। ''हमें मेहसाणा के लिए बस पकड़नी है,'' परिवार ने कहा

बिना प्रोटोकॉल का पालन किए शव को निजी वाहन से मेहसाणा ले जाया गया।

सूरत के डिंडोली में बाइक से गिरने के बाद एक बुजुर्ग को अस्पताल ले जाया गया। वहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आम तौर पर सिविल अस्पताल में मृत घोषित किए गए व्यक्ति की सूचना पुलिस को देनी होती है। लेकिन गोडादरा का देसाई और शव को कार में लेकर भाग गए।

पूरे मामले में मृतक के बेटे विक्रम देसाई ने बताया कि घटना सोमवार सुबह की है। पिता बाबूभाई मगनभाई देसाई (उम्र ५०) दूध इकट्ठा करने के लिए डिंडोली से गोडादरा जाते थे। साईं प्वाइंट के पास अचानक बाइक से गिरने पर उसे १०८ की मदद से इलाज के लिए सिविल पहुंचाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की खबर के बाद समाज के लोग एकत्रित हो गए। उसके बाद चूंकि पिता का अंतिम संस्कार उनके गृहनगर मेहसाणा में किया जाना था, इसलिए वह डॉक्टरों और पुलिस की अनुमति के बिना एक निजी कार में शव लेकर अपने गृहनगर के लिए रवाना हो गए।

सिविल डॉक्टरों ने बताया कि परिवार को बार-बार समझाया गया। किसी व्यक्ति को मृत घोषित किए जाने के बाद पुलिस को रिपोर्ट करने की एक सामान्य प्रक्रिया है। जिसका पालन करना अनिवार्य है। साथ ही डॉक्टर परिवार से पुलिस को सूचना देने के लिए कहते रहे। लेकिन कोई समझने को तैयार नहीं था। ऐसे में बुजुर्ग के परिजन सिविल के ट्रॉमा सेंटर में सभी स्टाफ के सामने हादसे का शिकार हुए बुजुर्ग के शव को कार में रखकर चले गए। पूरी घटना सिविल सीसीटीवी में कैद हो गई है।